शर्मा हार्डओरब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 258 | गुवाहाटी | शनिवार, 25 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान ने परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी ... पेज 2
मणिपुर में हुए हमले में मारे गए दो नागाओं के लिए न्याय की मांग करते ... पेज 3
भगवंत मान ने भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों को पंजाब का गद्दार बताया पेज 5
दिल्ली प्रो वालीबाल लीग का लक्ष्य खिलाड़ियों को आर्थिक स्थिरता व पहचान... पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सच्चाई के लिए कुछ भी छोड़ देना चाहिए.., पर किसी के लिए भी सच्चाई नहीं छोड़ना चाहिए।
- स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

सीजेआई ने प. बंगाल में भारी मतदान होने पर संतुष्टि जताई

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 92 फीसदी से ज्यादा मतदान होने पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारत का एक नागरिक होने के नाते मैं वोटिंग प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग वोट डालते हैं, तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जब लोग अपने वोट की अहमियत समझने लगते हैं, तो वो -शेष पृष्ठ दो पर

अगले महीने अंग, बंग और कलिंग में होंगी भाजपा की सरकारें : शाह

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा कि अगले महीने अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) तीनों क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें होंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वी -शेष पृष्ठ दो पर

अभि-नील हत्याकांड के 20 दोषियों को उम्रकैद की सजा

दोषी निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में देंगे चुनौती

नगांव (हि.स.)। बहुचर्चित अभि-नील हत्याकांड में नगांव जिला एवं सत्र न्यायालय ने शुक्रवार को 20 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20 हजार का जुर्माना भी लगाया। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने सजा का यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। इससे पहले, 20 अप्रैल को इसी अदालत ने सभी 20 आरोपितों को दोषी करार दिया था। यह फैसला उस मामले में आया है जिसने पूरे राज्य में व्यापक जन प्रतिक्रिया उत्पन्न की थी। सजा सुनाए जाने के बाद पीड़ित परिवारों ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे अदालत के इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि, 8 जून, 2018 को कार्बी आंग्लांग के डोकमका में प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए युवा संगीतकार निलोत्पल दास और अभिजीत नाथ को कुछ उन्मादी लोगों के हमले का शिकार हो गए थे। अपनी जान बचाने के लिए दोनों गुहार लगाते रहे बावजूद इसके हमलावरों ने उन्हें नहीं छोड़ा। लंबे समय से लंबित इस मामले में अदालत ने विभिन्न साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर यह निर्णय दिया। फैसले को इस मामले में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है, जो लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे थे। सजा पाए व्यक्तियों में विश्वराम स्वर्गियारी, पानटेंग बसुमतारी, आलाफाजक्रोज तिमुंग, इंसेंट इंगती, रायकांग तिमुंग, रत्नेश्वर तेरांग, फूकन लेक्टी, एन्स तिमुंग, प्रेस तिमुंग, रूपसिंग क्रो, धनु मेश, बाबूसिंग क्रो, बिक्रम हांसे, शिकारी रोंग्पी, बाबू रोंग्पी, विद्या सिंह रोंग्पी, मेंसिंग क्रो, दीपज्योति बसुमतारी, वारिश रोंग्पी और ओनोदा मेश शामिल हैं। उधर बहुचर्चित अभि-नील हत्याकांड में सजा सुनाए जाने के बाद मामला अब उच्च न्यायालय तक पहुंचेगा। मामले में दोषी ठहराए गए 20 लोगों के अधिवक्ता मानस शरणिया ने शुक्रवार को कहा कि वे निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। उल्लेखनीय है कि नगांव जिला एवं सत्र न्यायालय ने शुक्रवार को सभी 20 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया गया। इससे पहले 20 अप्रैल को इसी अदालत ने सभी आरोपितों को दोषी करार दिया था। यह मामला उस समय पूरे राज्य में व्यापक जन आक्रोश का कारण बना था।

पासपोर्ट विवाद में पवन खेड़ा को झटका

गौहाटी हाई कोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक और बड़ा झटका लगा है। गौहाटी हाई कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी पर की गई, उनकी टिप्पणियों को लेकर दर्ज एक आपराधिक मामले में उनकी अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष खेड़ा ने आरोप लगाया था कि, मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां हैं। इस महीने की शुरुआत में एक प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि उनके पास यूएई, मिस्र और एंटीगुआ-बारबुडा के तीन पासपोर्ट, दुबई में दो संपत्तियां और शेल कंपनियों में संपत्तियां हैं।

इन आरोपों के बाद, रिनिकी शर्मा ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, मानहानि, कीमती वसीयत और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की जालसाजी, और जानबूझकर अपमान करने से जुड़ी संबंधित धाराओं के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज कराया। अदालत ने इस सप्ताह की शुरुआत में, दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी मामले में 15 अप्रैल को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई, एक हफ्ते की ट्रांजिट बेल पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में भारी बारिश का पूर्वानुमान एएसडीएमए ने चेताया

गुवाहाटी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुवाहाटी में अगले तीन से चार दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है, जिसके चलते असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह करते हुए एक सलाह जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, शहर के कुछ इलाकों में 24 घंटे की अवधि में 7 से 20 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। इस भारी बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण निचले -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बेटी ने काट दी मां की गर्दन लोगों ने लगाया काले जादू का आरोप

कार्बी आंग्लांग। असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में एक 19 साल की लड़की ने बुधवार को अपनी मां का सिर काट दिया और अपने पिता और बहन को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार, इस घटना को अंजाम देने के बाद वह कटा हुआ सिर लेकर भाग गई और अगली सुबह गिरफ्तार होने से पहले पूरी रात उसे अपने साथ रखा। डेरामुख लालुंग गांव की रहने वाली पूजा मलंग ने इस घटना को अंजाम दिया। उसकी उम्र 19 साल और उसकी मृतक मां अनुमाई की उम्र 42 साल बताई जा रही है। लोगों की माने तो आरोपी ने *दाओ* (एक तरह का चाकू) से हमला किया और महिला का सिर धड़ से अलग कर दिया। वहीं, जब उसके पिता, प्रेमेंद्र मलंग, और बहन ने अनुमाई को बचाने की कोशिश की, तो पूजा ने उन पर भी हमला -शेष पृष्ठ दो पर

राघव चड्ढा समेत भाजपा में शामिल हुए आप के तीन रास सांसद

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। उसके तीन राज्यसभा सांसद शुक्रवार (24 अप्रैल, 2026) को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। इससे पहले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने इन सांसदों के भाजपा में शामिल होने की घोषणा की थी। संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा था कि हमने यह फैसला किया है कि राज्यसभा में आप के दो-तिहाई सदस्य होने के नाते हम भारत के संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते -शेष पृष्ठ दो पर

सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एकजुट हुआ विपक्ष, रास में दिया नोटिस, 73 सांसदों का समर्थन

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी पार्टियों ने आज शुक्रवार को राज्यसभा में एक नया नोटिस दिया। इस नोटिस में ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने की मांग रखी गई है। इस नोटिस पर 73 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त पर साबित दुर्व्यवहार के आधार पर नौ आरोप हैं। जयराम रमेश ने ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने को संविधान पर हमला बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राज्यसभा में 73 विपक्षी सांसदों ने अभी-अभी महासचिव को एक नया प्रस्ताव नोटिस सौंपा है।

इसमें भारत के राष्ट्रपति को एक संबोधन पेश करने की मांग की गई है, जिसमें भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की प्रार्थना की गई है। जयराम रमेश ने आगे लिखा कि इसका आधार *साबित दुर्व्यवहार* है, जिसमें 15 मार्च 2026 को और उसके बाद किए गए कार्य और चूक शामिल हैं। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) (अनुच्छेद 124(4) के साथ पढ़ा जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के दायरे में आता है। कांग्रेस नेता ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानेश कुमार को मिलना चाहिए भारत रत्न : हिमंत

कोलकाता (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कमरहाटी में आयोजित एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए असम में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की जोरदार वकालत की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का संशोधन और सत्यापन चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता मजबूत करने के लिए आवश्यक है। शर्मा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की खुलकर प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों के लिए देश उनके योगदान को लंबे समय तक याद रखेगा। उन्होंने कहा कि भारत रत्न मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को मिलना चाहिए, क्योंकि विशेष गहन पुनरीक्षण -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार विस में राजग ने साबित किया बहुमत ध्वनि मत से पारित हुआ विश्वास मत

पटना, 24 अप्रैल। बिहार विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने अपना बहुमत साबित कर दिया। सदन में बिना मतदान के ही ध्वनि मत से विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया और सम्राट चौधरी सरकार ने विश्वास मत हासिल कर लिया। राजग के सभी सहयोगी दलों के विधायकों ने बारी-बारी से सरकार के समर्थन का एलान किया, जिसके बाद विश्वास प्रस्ताव आसानी से पारित हो गया। सम्राट चौधरी ने 15 अप्रैल को नीतीश कुमार की जगह बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) कोटे से विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान विश्वास मत प्रस्ताव पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री एमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नेतृत्व, पूर्व मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका समझौते के लिए होर्मुज में ईरान को घेरने को तैयार, तेहरान का जवाब- देखेंगे

वाशिंगटन/तेहरान (हि.स.)। अमेरिकी सेना इस समय स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के मौजूदा रक्षा ठिकानों को निशाना बनाने की योजना बना रही है। अगर संघर्ष विराम (युद्ध विराम / सीज फायर) विफल हो जाता है तो अमेरिका सेना इशारा मिलते ही ईरान के सैन्य अड्डों पर समन्वित हमले शुरू कर सकती है। इस घटनाक्रम से परिचित कई सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। वहीं, ईरान ऐसी तैयारियों से बेफिक्र नजर आ रहा है। -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी : प्रधानमंत्री

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा और राजनीतिक बदलाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उनके मंच पर आरजीकर प्रकरण में पीड़िता की मां और पनिहाटी से भाजपा उम्मीदवार रत्न देबनाथ भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी और न्याय होगा। उन्होंने कहा कि वह बंगाल की हर बेटी को भरोसा दिलाने आए हैं कि भाजपा उनके सपनों को टूटने नहीं देगी। उन्होंने बताया कि सभा स्थल पर पहुंचने के दौरान एक बहन ने उन्हें राखी -शेष पृष्ठ दो पर

जैश-ए-मोहम्मद में बगावत के संकेत

मसूद अजहर पर गहराया रहस्य, आतंक के मुखिया के *गायब* होने से जेईएम में घमासान

नई दिल्ली। खुफिया रिपोर्टों में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के अंदर उथल-पुथल के संकेत मिले हैं। संगठन के प्रमुख मसूद अजहर को लेकर रहस्य लगातार गहराता जा रहा है। बताया जा रहा है कि मसूज अजहर के संगठन के लोग अब उसकी स्थिति और मौजूदगी पर सवाल उठाने लगे हैं। खबरों के मुताबिक, संगठन के अंदर यह अफवाह फैली हुई है कि मसूद अजहर बहुत गंभीर रूप से बीमार हैं और शायद जिंदगी की आखिरी सांसें गिन रहा हैं। हालांकि, भारतीय एजेंसियों का कहना है कि मसूद अजहर की -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश भेजे गए लोगों की वापसी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र से मांगा स्पष्ट जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बांग्लादेश निर्वासित किए गए लोगों की भारत वापसी से जुड़ी एक अहम याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को सख्त निर्देश दिया है। अदालत ने सरकार को अपना रुख स्पष्ट करने के लिए आखिरी मौका दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने केंद्र सरकार के वकील से इस पूरे मामले में निर्देश लेकर वापस अदालत को सूचित करने को कहा है। यह पूरा मामला उन लोगों से जुड़ा है जिन्हें संदिग्ध विदेशी बताकर बांग्लादेश सीमा के पार भेज दिया गया था और अब उनके परिजन उन्हें वापस भारत लाने की कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता भोड़ू शेख की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और संजय हेगड़े ने अपनी दलीलें रखीं। भोड़ू शेख की गर्भवती बेटी को भी बांग्लादेश भेज दिया गया था। वकीलों ने अदालत में कहा कि केंद्र सरकार का इस संवेदनशील मामले में अपना पक्ष अदालत को न बताना *थोड़ा अनुचित* -शेष पृष्ठ दो पर

मोजतबा खामेनेई की गंभीर शारीरिक चोटों पर अधिकारियों ने जताई चिंता

तेहरान (हि.स.)। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की शारीरिक स्थिति पर गहरी नजर रखी जा रही है। कई रिपोर्टों में यह बताया गया है कि ईरान में संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी हमले में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। इस हमले में उनके पिता समेत कई कमांडर मारे जा चुके हैं। उनकी शारीरिक स्थिति पर बड़े खुलासे से इस बात को लेकर चिंता और बढ़ गई है कि तेहरान में असल में फैसले कौन ले रहा है और बंद दरवाजो के पीछे सत्ता का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। ब्रिटेन के अखबार इंटरनेशनल बिजनेस टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मोजतबा खामेनेई की सेहत पर ताजा जानकारी से भयानक चोटों की पुष्टि हुई है। खामेनेई को उस हमले में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान ने परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है : पीएम मोदी

कोलकाता (हिस.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और पार्टी की जीत का शंखनाद हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लंबे समय से बंगाल में बदलाव की जो भावना दिखाई दे रही थी, पहले चरण के मतदान ने उसे स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा के पक्ष में समर्थन देकर सत्ता परिवर्तन का संकेत दे दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचलने का प्रयास किया गया, उसी बंगाल की जनता ने मतदान के माध्यम से लोकतंत्र का पुनर्निर्माण किया है। उन्होंने मतदाताओं से अगले चरणों में और अधिक मतदान कर विजय ध्वज फहराने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यभर में एक ही आवाज सुनाई दे रही है कि बंगाल को परिवर्तन चाहिए और भाजपा की सरकार चाहिए। उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की धरती का उल्लेख करते हुए चुनाव को नई क्रांति का समय बताया। पीएम मोदी ने कहा की याद रखिएगा बंगाल की धरती वीरों की धरती है। पहले चरण के मतदान में तृणमूल के दीपक को बुझा दिया है। बुझने से पहले जैसे दीपक फड़फड़ाता है वैसे ही टीएमसी फड़फड़ा रही है लेकिन दूसरे चरण में विजय ध्वज लहराना है। सभा में महिलाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस महिला विरोधी दल है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व आधारित विकास मॉडल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की बेटियों के सपनों को कुचला नहीं जाने दिया जाएगा और सत्ता में आने के बाद महिलाओं पर हुए अन्याय के हर मामले की फाइल खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण, आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में आयुष्मान योजना लागू नहीं है, लेकिन सरकार बनने पर लोगों को ?5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। मध्यम वर्ग का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर मध्यम वर्ग के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कर राहत, सस्ती डिजिटल सेवाओं और आवास योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि दोहरे इंजन की सरकार से विकास तेज होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में कथित सिंडिकेट राज और उद्योगों की बदहाली का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के खोखले वादों और सिंडिकेट व्यवस्था ने कोलकाता सहित पूरे बंगाल के उद्योगों तथा लघु एवं मध्यम उद्यमों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कारखाने बंद हो रहे हैं, युवाओं को पलायन करना पड़ रहा है और रोजगार के अवसर घट रहे हैं। दमदम क्षेत्र की समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने जलभराव, पुरानी जलनिकासी व्यवस्था और यातायात जाम को गंभीर समस्या बताया। उन्होंने कहा कि दमदम को आधुनिक और सुनियोजित क्षेत्र बनाने की आवश्यकता है, जो केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है। सभा के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 4 मई को परिणाम आने के बाद तृणमूल कांग्रेस के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी और जनता उन्हें जवाब देगी।

भाजपा ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धोखा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को बड़ा झटका देते हुए राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सहित उसके राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लगभग दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होंगे। इसको लेकर अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया आई है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का। साफ ही भाषा में इस समझने की कोशिश करे तो केजरीवाल भाजपा पर पंजाब के लोगों को धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है...शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस की पार्टियों में एक ही वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया था...भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है। आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि देश ने इन नेताओं का चरित्र देख लिया है। वे जानते हैं कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आप फिर से सत्ता में आएंगी। पंजाब की जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। आप नेता संजय सिंह ने कहा कि पंजाब की जनता इन सातों बागी सांसदों को माफ नहीं करेगी। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा किए गए अच्छे कार्यों में बाधा डालने का काम किया है। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं, पंजाब की जनता को इन 7 नामों को याद रखना चाहिए। पंजाब की जनता इन्हें कभी नहीं भूलेगी।

कछार में हेरोइन व हथियार के साथ एक गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार जिले के लखीपुर थाना अंतर्गत बांकांडी आउटपोस्ट क्षेत्र में एनडीपीएस पदार्थ के परिवहन की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने गुरुवार की रात को एक विशेष अभियान चलाकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपित के पास से 10 साबुनदानी में रखे कुल 377.4 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद किए। स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में की गई इस कार्रवाई में एक फैक्ट्री निर्मित पिस्तौल तथा चार जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए। इसके अलावा, मौके से एक एन टॉर्क स्कूटी (एएस-11एडी-4061) को भी जब्त किया गया। बरामद पदार्थ की प्रारंभिक जांच डीडी किट से करने पर इसका रंग गहरा बैंगनी पाया गया, जिससे हेरोइन होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गाय चुराते चार चोर गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा पुलिस थाना के रूपाजुली चाय बागान में स्थानीय लोगों ने चार चोरों को एक गाय की चोरी करते समय रंगे हाथों पकड़ लिया। रंगापारा पुलिस ने आज बताया है कि दिन के लगभग 12 बजे रूपाजुली चाय बागान की 13 नंबर लाइन में चार लोगों की एक टीम महिंद्रा स्कॉर्पियो गाड़ी (एआर-01जे-8987) में एक पशुधन ले जाते समय स्थानीय लोगों ने सूचना मिलते ही गाड़ी को रोक लिया। उसके बाद गाड़ी में मौजूद चार चोरों को नीचे उताकर आक्रोशित लोगों ने जमकर पिटाई की। लोगों की पिटाई के चलते चारों चोर बेहोश हो गए। चाय बागान के मजदूरों ने पकड़े गए चारों चोरों को रंगापारा पुलिस के हवाले कर दिया। चोरों की पहचान रहा के दीघलीआटी निवासी साहेब अली, तेजपुर के परुवा गुटलुंग निवासी जाकिर हुसैन, सिराज हुसैन और सैफुल हक के रूप में की गयी है। चोर के कब्जे से बचाई गई गाय रूपाजुली चाय बाग़ान के डेनियल बाघ नामक व्यक्ति की थी। घटना के संबंध में रंगापारा पुलिस ने 26/26 नंबर का एक मामला दर्ज कर जांच जारी रखे हुए है। साथ ही गाय चोरों को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेजने की कार्रवाई में जुटी हुई है। उल्लेखनीय है कि रंगापाड़ा इलाके में गाय चोरों के कारण लोगों की परेशानी बढ़ने के कारण लोग चिंतित हैं।

यूएस-ईरान की मध्यस्थता पाकिस्तान को पड़ी भारी इस्लामाबाद में लॉकडाउन जैसे हालात, अवाम में गुस्सा

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध में शांतिदूत की भूमिका निभाने की पाकिस्तान की चाहत का एक अनचाहा नतीजा सामने आया है। राजधानी इस्लामाबाद के साथ-साथ देश के सैन्य तंत्र का केंद्र माने जाने वाले रावलपिंडी को भी एक तरह से पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जबकि दूसरी ओर वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। यह स्थिति कोविड-काल के लॉकडाउन की यादें ताजा कर रही है और कारोबार व आमदनी के नुकसान के चलते लोगों के गुस्से को और भड़का रही है। ब्रिटेन के न्यूज आउटलेट ने बताया कि पाकिस्तानी राजधानी की सड़कें कई दिनों से खाली पड़ी हैं। सड़कों पर सिर्फ सेना और पुलिस की वर्दी पहने लोग ही नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट में शहर भर में बंद दुकानों, ठप पड़े पब्लिक ट्रांसपोर्ट और *वर्क-फ्रॉम-होम* के आदेशों का जिक्र किया गया है। कई लोगों को ऐसा लग रहा है, जैसे वे फिर से महामारी के दौर में लौट आए हों। फर्क बस इतना है कि *इस बार वजह कोई वायरस नहीं है,* बल्कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली संभावित बातचीत है, जो अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। इस्लामाबाद और पाकिस्तान के अधिकारियों ने वीवीआईपी जोन में मुख्य सड़कों और बाजारों को सील कर दिया है, और 10,000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। लेकिन प्रतिनिधिमंडलों के लिए कोई पक्का कार्यक्रम न होने के कारण, ये पाबंदियां अनिश्चित काल तक खिंच गई हैं। नूर खान एयरबेस और इस्लामाबाद के रेड जोन के आस-पास के मुख्य इलाके बंद हैं, और दफ्तरों का काम रिमोटली चल रहा है। शहरों को जोड़ने वाला पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोक दिया गया है, जबकि सामान का ट्रांसपोर्ट 19 अप्रैल से रुका हुआ है। हालांकि रावलपिंडी में कुछ भारी ट्रैफिक को थोड़ी-बहुत इजाजत दी गई है, लेकिन इस्लामाबाद में ज्यादातर जगहों पर आने-जाने की मनाही है।

पृष्ठ एक का शेष

गौहाटी हाई कोर्ट ने ...

जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस.चांदुरकर की बेंच ने खेड़ा को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते के अंदर जवाब मांगा था। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें तेलंगाना हाई कोर्ट ने खेड़ा को दी गई अग्रिम (ट्रांजिट) बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हालांकि, बेंच ने यह भी कहा था कि अगर खेड़ा असम में अग्रिम बेल के लिए आवेदन करना चाहते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट का आज का आदेश उनके आड़े नहीं आएगा। इसी को लेकर पवन खेड़ा ने गौहाटी हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। बता दें कि, असम में विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी पासपोर्ट और संपत्ति के आरोप लगाए थे। इसके बाद यह मामला कानूनी विवाद में बदल गया। अब गौहाटी हाई कोर्ट द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद खेड़ा की गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है।

गुवाहाटी में भारी...

इलाकों में जलभराव हो सकता है, वाहनों की आवाजाही बाधित हो सकती है और स्थानीय भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है, खासकर संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में। आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को अलर्ट पर रखा गया है और अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। एएसडीएमए ने यात्रियों और लंबी दूरी के यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी यात्रा की सावधानीपूर्वक योजना बनाएं और भारी बारिश के दौरान गैर-जरूरी यात्रा से बचें। बाढ़ संभावित और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जलभराव या भूस्खलन के शुरुआती संकेतों पर नजर रखने को कहा गया है। अधिकारियों ने जनता से आधिकारिक मौसम बुलेटिनों के माध्यम से नवीनतम जानकारी प्राप्त करने और भारी बारिश के दौरान जोखिम को कम करने के लिए सुरक्षा सलाहों का पालन करने का भी आग्रह किया है।

असम में बेटी ने काट ...

कर दिया। पुलिस ने बताया कि परिवार ने मां और बेटी के बीच किसी भी तरह के झगड़े की कोई शिकायत नहीं की थी। कुछ स्थानीय लोगों का दावा है कि, आरोपी लड़की शायद *काला जादू* जैसी चीजों में शामिल थी, जबकि कुछ अन्य लोगों का कहना है कि वह किसी नशे के असर में थी। हालांकि, जांच के दौरान, अधिकारियों ने उस जगह से एक हंसिया, कैंची और पूजा-पाठ से जुड़ी कुछ चीजें बरामद की, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया था। इन चीजों में तेल, सिंदूर और एक मिट्टी का बर्तन शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि पूजा मलंग पर हत्या करने और खतरनाक हथियारों से गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह की जांच की जा रही है।

राघव चड्ढा समेत ...

हुए खुद को भाजपा में मिला लेंगे। राघव चड्ढा ने दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कार्यालय में उनसे मुलाकात की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इससे पहले राघव चड्ढा ने घोषणा की कि वह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों में से दो-तिहाई सांसदों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। इस कदम को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है और यह घटनाक्रम पार्टी के भीतर कथित तौर पर उनका कद घटाए जाने की खबरों के कुछ ही हफ्तों बाद सामने आया है। शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए चड्ढा ने कहा कि हमने फैसला किया है कि हम राज्यसभा में आप के दो-तिहाई सदस्य भारत के संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए खुद को भाजपा में मिला लेंगे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ...

अब सीईसी के खिलाफ नौ खास आरोप हैं, जिन्हें बहुत विस्तार से दस्तावेजों में दर्ज किया गया है और जिन्हें नकारा या छिपाया नहीं जा सकता। उनका पद पर बने रहना संविधान पर हमला है। यह बेहद शर्मनाक है कि यह व्यक्ति अभी भी अपने पद पर बना हुआ है और प्रधानमंत्री-गृह मंत्री के इशारों पर काम कर रहा है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और प्रवक्ता डेरेक ओ-ब्रायन ने सोमवार को कहा था कि विपक्ष सीईसी के खिलाफ अतिरिक्त आरोपों के साथ एक नया महाभियोग प्रस्ताव लाएगा। कोलकाता में एक प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए ओ-ब्रायन ने कहा कि 19 राजनीतिक पार्टियों और लगभग 300 सांसदों ने पहले सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। आने वाले दिनों में, अतिरिक्त आरोपों के साथ एक नया महाभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा।

बिहार विस में राजग ...

नीतीश कुमार और राजग के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी किसी की बपौती नहीं है। 14 करोड़ जनता के समर्थन और आशीर्वाद से मैं मुख्यमंत्री बना हूं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता किसी एक परिवार या व्यक्ति की जागीर नहीं हो सकती। सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू यादव पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू यादव के शासनकाल में हुए अत्याचारों ने ही उन्हें राजनीति में मजबूती दी। उन्होंने दावा किया कि लालू यादव ने उन्हें और उनके परिवार के 22 सदस्यों को जेल भेजा था और बाद में सार्वजनिक रूप से अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी थी। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी सरकार *ट्रिपल सी* यानी क्राइम (अपराध), करप्शन (भ्रष्टाचार) और कम्युनलिज्म (सांप्रदायिकता) पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी महिलाओं के खिलाफ अपराध करेगा, उसे हमारी पुलिस पाताल से भी खोज निकालेगी। सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि ब्लॉक, अंचल और थाना स्तर पर जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) सीधे निगरानी करेगा। लोक सेवा का अधिकार कानून, भूमि पोर्टल, ई-म्यूटेशन और ई-मैपिंग जैसी व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक बड़ी जनहित घोषणा करते हुए कहा कि अब सड़क दुर्घटना में मौत होने पर पीड़ित परिवार को कुल 8 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। इसमें 4 लाख रुपए बीमा कंपनी और 4 लाख रुपए राज्य सरकार की ओर से दिए जाएंगे। इससे पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि भाजपा ने नीतीश कुमार को *फिनिश* कर दिया। इस बयान पर सदन में जोरदार हंगामा हुआ। इसके बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी सदन में बोलते हुए भावुक हो गए। उन्होंने नीतीश कुमार को याद करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का मलाल है कि *दूरदृष्टि वाला नेता* अब सदन में उनके साथ नहीं है और वे अब दूसरे सदन के सदस्य बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि सदन में एक खालीपन महसूस हो रहा है, जैसे एक दीपक की रोशनी से सभी लोग लंबे समय से मार्गदर्शन लेते आए हों, लेकिन वह दीपक अब दूर चला गया है। उसी रोशनी में बिहार की राजनीति और शासन व्यवस्था आगे बढ़ती रही है। अंत में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सरकार का विजन रखते हुए विकास, सुशासन और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान वे विपक्ष पर हमलावर दिखे और तेजस्वी यादव को भी जवाब दिया।

अमेरिका समझौते के लिए ...

सर्वोच्च नेता ने कहा कि हालात के अनुसार फैसला लिया जाएगा। युद्ध से पीछे नहीं हटेंगे। सीएनएन, द टाइम्स ऑफ इजराइल और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारी ईरान के साथ मौजूदा संघर्ष विराम टूटने पर होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की सामरिक क्षमता को तहस-नहस करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। यह हमले होर्मुज जलडमरूमध्य, दक्षिणी अरब खाड़ी और ओमान की खाड़ी के आसपास केंद्रित हो सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ स्थायी युद्ध विराम समझौता करने के लिए ईरान को हिजबुल्लाह की फंडिंग रोकनी होगी। इजराइल और लेबनान के बीच राजदूतस्तर की बातचीत के दूसरे दौर की अध्यक्षता करने के बाद ओवल ऑफिस में उन्होंने पत्रकारों से यह बात कही। सनद रहे कि ईरान के साथ हालिया बातचीत मुख्य रूप से परमाणु मुद्दे पर केंद्रित रही है। इस समय होर्मुज में नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल है। ट्रंप ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर कहा कि ईरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और सरकार के बीच दरार है। यही दरार राजनयिक समझौते की राह में बड़ी बाधा है। ट्रंप ने लिखा कि ईरान को यह समझने में बहुत मुश्किल हो रही है कि उनका असल नेता कौन है। इस पर ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने तत्काल टिप्पणी दी। उन्होंने कहा कि ट्रंप को गलतफहमी है। सच यह है कि देशवासियों के बीच अद्भुत एकता की भावना का संचार हुआ है। खामेनेई ने कहा कि लोगों की एकजुटता और भी अधिक मजबूत और फौलादी हो गई है। दुश्मन को यह बात भली भांति समझ में आ जानी चाहिए। ईरान दुश्मन के इरादों को सफल नहीं होने देगा। हर हालात मुकाबला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप युद्ध में हारे हुए नेता हैं। इसलिए कलह का नया शिगूफा छोड़ रहे हैं।

भाजपा की सरकार ...

भेंट की, जिसके बाद उन्होंने बहनों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार से जुड़े पुराने मामलों की फाइलें दोबारा खोली जाएंगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाएं न्याय मांगती हैं, लेकिन उन्हें संरक्षण देने के बजाय चुप रहने की सलाह दी जाती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि एक मां ने अपनी बेटी को डॉक्टर बनाया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के शासन में उसे छीन लिया। यह स्थिति राज्य के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश को स्वतंत्रता का संदेश दिया था और अब बंगाल में नई दिशा देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव जनता के एक वोट से संभव है और मतदाता राज्य के भविष्य का फैसला करेंगे। अपने दौरे का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने बेलूड़ मठ पहुंचने को सौभाग्य बताया। उन्होंने गंगा दर्शन, आम लोगों से मुलाकात और दक्षिणेश्वर काली मंदिर में मां काली को नमन करने की बात भी कही। साथ ही राज्य की माताओं और बहनों को सम्मान प्रकट किया। सभा के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल का गौरव वापस लाने, इसे अवसरों की भूमि बनाने और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिए परिवर्तन आवश्यक है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर महिला उत्पीड़न के मामलों में त्वरित जांच होगी और दोषियों को दंड मिलेगा।

ज्ञानेश कुमार को ...

कराने में उनके योगदान को देश नहीं भूलेगा। असम के मुख्यमंत्री का यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राज्य में नागरिकता, मतदाता पहचान और मतदाता सूची को लेकर लंबे समय से राजनीतिक बहस होती रही है। राष्ट्रीय नागरिक पंजी तथा अवैध घुसपैठ के मुद्दों के कारण यह विषय लगातार संवेदनशील बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची का नया और कठोर पुनरीक्षण किया जाए तो विसंगतियों को दूर करने में मदद मिलेगी तथा चुनाव प्रक्रिया की साख और मजबूत होगी। अपने संबोधन के दौरान शर्मा ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों पर कथित हमलों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी, तब उम्मीदवारों पर हमला करने वालों को सबक सिखाया जाएगा। शर्मा ने दोनों राज्यों में पार्टी की चुनावी संभावनाओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी असम में 100 सीटें और पश्चिम बंगाल में 200 सीटें जीतेगी।

मसूद अजहर पर गहराया ...

हालत इतनी गंभीर नहीं है, लेकिन वो शारीरिक रूप से कमजोर हैं और मानसिक रूप से भी काफी टूट चुका है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकी संगठन की शीर्ष नेतृत्व जानबूझकर उसे छिपाकर रख रही है, ताकि उसकी कमजोर हालत के बीच आम सदस्यों से उससे दूर रखा जा सके। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मसूद अजहर ने अपने कई करीबी परिवार के सदस्यों को खोया, जिससे वो गहरे सदमे में हैं। इसके बाद से उसने खुद को लगभग पूरी तरह अलग-थलग कर लिया है। पहले वो रोजाना अपने संगठन के लोगों से मिलता था और नए भर्ती होने वालों से बातचीत भी करता था, लेकिन अब ऐसा बिल्कुल नहीं हो रहा है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, मसूद अजहर की पहचान एक जोशीले और उग्र भाषण देने वाले नेता के रूप में रही है। उसके भाषण और आक्रामक रणनीतियां ही संगठन के लोगों को प्रेरित करती थीं। लेकिन अब उसमें वह ऊर्जा और नेतृत्व क्षमता नजर नहीं आ रही, जिससे संगठन के भीतर निराशा बढ़ रही है। संगठन के भीतर उसके स्वास्थ्य के लिए लगातार दुआएं की जा रही हैं। कई जगहों पर प्रार्थना सभाएं आयोजित हो रही हैं, जिससे उनके बीमार होने की खबरों को और बल मिला है। वहीं, कुछ सदस्यों को शक है कि संगठन का नेतृत्व उससे जुड़ी कोई बड़ी सच्चाई छिपा रहा है। वहीं, संगठन में भर्ती प्रक्रिया अभी भी जारी है, लेकिन पहले के मुकाबले काफी धीमी हो गई है। पहले नए सदस्यों के लिए मसूद अजहर से मिलना बहुत बड़ी बात होती थी, लेकिन अब उससे मुलाकात नहीं हो पा रही। इससे नए और पुराने दोनों तरह के सदस्यों में असंतोष बढ़ रहा है।

बांग्लादेश भेजे गए ...

है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि वह केंद्र को एक आखिरी मौका दे रहे हैं। अदालत ने चेतावनी दी कि अगर इस बार आदेश का पालन नहीं हुआ, तो पीठ अंतिम सुनवाई के साथ आगे बढ़ेगी। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि वह इस याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए एक तारीख तय करेंगे। पिछले साल 3 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मानवीय आधार पर एक गर्भवती महिला (सुनाली खातून) और उसके आठ साल के बच्चे को भारत में प्रवेश करने की अनुमति दी थी। इन लोगों को कुछ महीने पहले ही बांग्लादेश धकेल दिया गया था। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को बच्चे की देखभाल करने और बीरभूम जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को गर्भवती महिला को मुफ्त डिलीवरी सहित हर संभव चिकित्सा सहायता देने का निर्देश दिया था। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि महिला और बच्चे को केवल मानवीय आधार पर भारत में आने दिया गया है और उन्हें निगरानी में रखा जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि वे उन्हें बांग्लादेशी नागरिक मानते हैं और उनकी भारतीय नागरिकता के दावे का डटकर विरोध करेंगे। गर्भवती महिला के पिता भोडू शेख का आरोप है कि उनका परिवार पिछले दो दशकों से दिल्ली के रोहिणी इलाके के सेक्टर 26 में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहा था। आरोप है कि दिल्ली पुलिस ने पिछले साल 18 जून को उन्हें बांग्लादेशी होने के शक में अचानक पकड़ लिया और 27 जून को सीमा पार धकेल दिया। जस्टिस बागची ने सुनवाई के दौरान एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर महिला यह साबित कर देती है कि वह भोडू शेख की बेटी है, तो यह उसकी भारतीय नागरिकता साबित करने के लिए काफी होगा। वरिष्ठ वकीलों ने अदालत से गुजारिश की है कि खातून के पति सहित जो अन्य लोग अभी भी बांग्लादेश में फंसे हैं, उन्हें भी वापस भारत लाया जाए। सिब्बल ने यह भी कहा कि महिला को दिल्ली की जगह उसके पिता के पास बीरभूम भेजना ज्यादा सही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट दरअसल केंद्र सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट के 26 सितंबर 2025 के आदेश को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने सुनाली खातून, स्वीटी बीबी और उनके परिवारों को *अवैध प्रवासी* बताकर बांग्लादेश भेजने के केंद्र के फैसले को रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट ने इसे *गैरकानूनी* करार देते हुए छह निर्वासित नागरिकों को एक महीने के भीतर वापस भारत लाने का निर्देश दिया था। इस मामले में एक याचिका अमीर खान ने भी दायर की थी, जिनकी बहन स्वीटी बीबी को बच्चों समेत दिल्ली पुलिस ने पकड़कर पड़ोसी देश भेज दिया था। अदालत ने पाया था कि दिल्ली एफआरआरओ ने 2 मई 2025 के गृह मंत्रालय के नियमों का उल्लंघन करते हुए बहुत जल्दबाजी में यह कार्रवाई की। नियमों के तहत निर्वासन से पहले राज्य सरकार द्वारा जांच की जानी थी। निर्वासित किए गए इन लोगों को बाद में बांग्लादेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि इस तरह की जल्दबाजी देश के न्यायिक माहौल को खराब करती है।

मोजतबा खामेनेई की ...

बहुत ज्यादा और चेहरा बिगाड़ने वाली चोटें आई थीं। इस हमले में उनके पूर्ववर्ती उनके पिता अली खामेनेई की मौत हो गई थी। हमले के महीनों बाद भी इन चोटों का उनके रोजमर्रा के कामकाज पर गहरा असर पड़ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले में खामेनेई का चेहरा बुरी तरह झुलस गया था। डॉक्टरों का कहना है कि शायद उन्हें *रिकंस्ट्रक्टिव प्लास्टिक सर्जरी* (चेहरे को ठीक करने वाली सर्जरी) की जरूरत पड़ेगी। इसी रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि उनकी चोटें सिर्फ चेहरे तक ही सीमित नहीं हैं। उनके एक पैर की कई बार सर्जरी हो चुकी है। इससे इस बात की संभावना बनी हुई है कि शायद उन्हें नकली पैर (प्रोस्थेटिक लिंब) लगवाना पड़े। उनकी हालत से परिचित सूत्रों से मिली अतिरिक्त जानकारी के मुताबिक, वह अभी भी जलने तथा हड्डियों को हुई क्षति दोनों के ही लंबे समय तक बने रहने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं। इन शारीरिक मुश्किलों के बावजूद अधिकारियों का कहना है कि खामेनेई मानसिक रूप से पूरी तरह सचेत हैं और राजकाज के मामलों में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं।

सीजेआई ने प. बंगाल...

हिंसा में शामिल नहीं होते। जस्टिस बागची ने भी कहा कि हिंसा की कोई बड़ी घटना भी नहीं हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 92 फीसदी मतदान ऐतिहासिक है। कुछ चुनिंदा घटनाओं को छोड़ दिया जाए, तो चुनाव शांतिपूर्ण ही रहा है। केंद्रीय बलों ने भी शानदार काम किया है। जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि राजाओं के बीच युद्ध होता है, लेकिन जान आम लोगों की जाती है।

अगले महीने अंग, बंग ...

भारत में भाजपा का विस्तार तेजी से हो रहा है और पश्चिम बंगाल में जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जनता ने भारी उत्साह के साथ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान हुआ और भाजपा इनमें से 110 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। शाह ने कहा कि मतदान प्रतिशत ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और यह साफ संकेत है कि राज्य की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन लाना चाहते हैं। शाह ने कहा कि जनता ने भय और हिंसा की राजनीति को नकारते हुए बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचकर अपना मताधिकार प्रयोग किया। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की विदाई तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया गया है और पिछले कई वर्षों में हजारों करोड़ के घोटाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती घोटाला, शिक्षक नियुक्ति प्रकरण, नगर निकाय अनियमितताएं और विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर तृणमूल शासनकाल के भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में सभी मामलों की जांच कराई जाएगी, ताकि दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके। महिला सुरक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी कि महिलाएं रात में भी निर्भय होकर बाहर निकल सकें। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाएं इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएंगी और तृणमूल कांग्रेस को जवाब देंगी। शाह ने महिला आरक्षण के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने कहा कि राज्य में सिंडिकेट राज, कट मनी और भतीजा कर जैसी व्यवस्थाओं ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी निर्माण कार्य, व्यापार, नौकरी या सरकारी सुविधा में दलाली और दबाव की राजनीति चल रही है।

मणिपुर में हुए हमले में मारे गए दो नागाओं के लिए न्याय की मांग करते हुए नागा छात्र संघ ने कैंडल मार्च निकाला

कोहिमा। नागा स्टूडेंट्स फेडरेशन (एनएसएफ) ने इस महीने की शुरुआत में मणिपुर में एक हमले में मारे गए दो नागा नागरिकों के लिए न्याय की मांग को लेकर गुरुवार को कोहिमा में कैंडल मार्च का आयोजन किया। यह श्रद्धांजलि सभा नागा सॉलिडेरिटी पार्क में *हम साथ मिलकर उठते हैं: अटूट, निडर* विषय के तहत आयोजित की गई थी। यह तुषार गांव के चिनाओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारुइंगम वाशुम की याद में आयोजित की गई थी। 18 अप्रैल को मणिपुर के उखरुल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 202 पर स्थित टीएम कसम क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा नागरिक वाहनों के काफिले पर कथित तौर पर गोलीबारी करने के दौरान दो नागरिकों की जान चली गई। सभा को संबोधित करते हुए एनएसएफ अध्यक्ष मतेसुडिंग ने कहा कि यह शोक सभा न केवल पीड़ितों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करने का प्रतीक है, बल्कि अन्याय के खिलाफ एकजुट आवाज उठाने का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के परिवारों के दुख में पूरा नागा समुदाय भागीदार है। मतिसुडिंग ने आगे आरोप लगाया कि इस तरह के हमले नागाओं के खिलाफ लक्षित हिंसा के एक निरंतर पैटर्न की ओर इशारा करते हैं। संघ ने यह भी दावा किया कि उसने 18 अप्रैल के हमले को उजागर करते हुए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया था। ज्ञापन में, संगठन ने इस घटना को *आक्रामकता के एक व्यवस्थित और समन्वित पैटर्न* का हिस्सा बताया और नागा-आबादी वाले क्षेत्रों, विशेष रूप से मणिपुर में हिंसा, आगजनी और धमकी की बार-बार होने वाली घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

सड़क हादसे में ढाई साल की बच्ची की मौत, क्षेत्र में तनाव

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पलटन बाजार क्षेत्र में शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में ढाई साल के एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। मृत बच्ची की शिनाख्त राहेला खातून के रूप में की गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक महिंद्रा थार वाहन की टक्कर से बच्ची की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में भेजा गया है। पुलिस ने महिंद्रा थार वाहन के चालक की पहचान मिंटू अली के रूप में की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हादसे में शामिल वाहन पंजीयन रहित था। इधर, घायल बच्चे की मदद के लिए रुकी एक स्विफ्ट कार के चालक दिगंबर डेका पर भी कुछ उग्र लोगों ने हमला कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने स्विफ्ट वाहन में तोड़फोड़ की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

मणिपुर : जमाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए चुराचंदपुर प्रशासन ने खुले डिब्बों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया

इंफाल। जमाखोरी, कालाबाजारी और दहशत में खरीदारी को रोकने के उद्देश्य से, चुराचंदपुर के जिला मजिस्ट्रेट ने जेरीकैन और प्लास्टिक की बोतलों जैसे खुले कंटेनरों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है। इस आदेश का उद्देश्य जिले में ईंधन की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करना और कृत्रिम कमी से बचना है। एक आधिकारिक निर्देश में, जिला मजिस्ट्रेट धरुन कुमार एस ने कहा कि ईंधन केवल सीधे वाहनों के टैंकों में ही भरा जाना चाहिए। यह आदेश आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। प्रशासन ने कहा कि यह कदम पेट्रोलियम उत्पादों की जमाखोरी और कालाबाजारी के कारण उत्पन्न होने वाली कृत्रिम कमी से निपटने के उद्देश्य से उठाया गया है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध हैं। जिले के सभी ईंधन खुदरा विक्रेताओं को निरीक्षण के लिए दैनिक स्टॉक रजिस्टर बनाए रखने, बिना किसी भेदभाव के उचित बिक्री सुनिश्चित करने और आपूर्ति के किसी भी प्रकार के हेरफेर को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने अनधिकृत कंटेनरों में ईंधन के भंडारण से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं पर भी प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि ऐसी प्रथाओं से आग लगने और रिसाव का खतरा बढ़ जाता है। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिले में संचालित पेट्रोल पंपों को जनता को पेट्रोल और डीजल की व्यवस्थित बिक्री बनाए रखने और अधिसूचित परिचालन घंटों के दौरान निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आगे निर्देश दिए गए हैं। इस बीच, जिला मजिस्ट्रेट ने निवासियों से अपील की कि वे घबराकर ईंधन की खरीदारी न करें। उन्होंने कहा कि हालांकि मध्य पूर्व में हुए घटनाक्रमों ने वैश्विक ईंधन बाजारों को प्रभावित किया है, लेकिन उचित आपूर्ति प्रबंधन ने भारत में न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित किया है, और जिले में वर्तमान में ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

पवन खेड़ा की गिरफ्तारी कभी भी संभव : महाधिवक्ता

गुवाहाटी (हिंस)। असम के महाधिवक्ता देवजीत लोन सैकिया ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को किसी भी समय गिरफ्तार किया जा सकता है, क्योंकि गौहाटी उच्च न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मामला प्रपंच और जालसाजी से जुड़ा है, जिसे गंभीर अपराध मानते हुए राहत देने से इनकार किया गया। अदालत के इस फैसले के बाद अब उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। आरोप है कि पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के कथित फर्जी पासपोर्ट से संबंधित जानकारी के आधार पर भ्रामक प्रचार किया था। इस मामले को दस्तावेजों की जालसाजी और भ्रामक सूचना फैलाने से जुड़ा गंभीर मामला माना जा रहा है।

चुनाव आचार संहिता के बीच पवन खेड़ा की जमानत पर टिप्पणी करने से बचे मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहाटी (हिंस)। असम में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच लागू आदर्श आचार संहिता का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उल्लेखनीय है कि गौहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खेड़ा की याचिका को खारिज कर दिया। चुनावी अभियान के दौरान मीडिया से बातचीत में डॉ. शर्मा ने कहा कि चुनावी प्रतिबंधों के कारण वह इस समय इस मामले पर कोई बयान नहीं देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले में आगे की कार्रवाई असम पुलिस के अधिकार क्षेत्र में है और चुनाव परिणाम आने के बाद, 4 मई के पश्चात स्थिति की समीक्षा की जाएगी, बशर्ते वह पुन: पद पर लौटें। उल्लेखनीय है कि पवन खेड़ा ने गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। उनके खिलाफ चुनावी अभियान के दौरान मुख्यमंत्री और उनके परिवार को लेकर कथित टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

न्यायमूर्ति पार्थज्योति सैकिया की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला साधारण मानहानि से परे गंभीर अपराधों को दर्शाता है और कुछ दस्तावेजों की उत्पत्ति तथा सत्यता की जांच के लिए हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि खेड़ा अपने दावों के समर्थन में विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहे और जांच के आधार पर उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत होते हैं। यह मामला रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शुरू हुआ, जिसमें गुवाहाटी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान खेड़ा के बयान पर आपत्ति जताई गई थी। इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है, जहां सत्तारूढ़ भाजपा ने इसे मानहानिकारक और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया, वहीं कांग्रेस ने इसे चुनाव के दौरान विपक्ष को निशाना बनाने की साजिश करार दिया। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए खेड़ा पर गंभीर आरोप लगाए और उन्हें *अपराधी और फरार* करार दिया। सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने आरोप लगाया कि खेड़ा ने चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए कथित रूप से जाली दस्तावेजों, जैसे भूमि दस्तावेज और पासपोर्ट, का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस पूरे मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद लागू आदर्श आचार संहिता के तहत सार्वजनिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को संवेदनशील राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी करने से रोका जाता है, जिसके चलते मुख्यमंत्री ने इस मामले में प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया देने से परहेज किया। असम विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना 4 मई को निर्धारित है।

मोरिकलोंग में देर रात दिल दहला देने वाली डकैती चिकित्सक दंपति घायल

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले के मोरिकलोंग इलाके में बीती देर रात एक दिल दहला देने वाली डकैती की घटना सामने आई है, जहां अज्ञात बदमाशों ने एक चिकित्सक के घर में घुसकर लूटपाट की और चिकित्सक दंपति पर हमला किया। दोनों का इलाज जारी है। आज पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चिकित्सक डॉ. रंजीत सैकिया के आवास को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने घर में घुसकर लूटपाट की। इस दौरान उन्होंने डॉ. सैकिया और उनकी पत्नी पर भी जानलेवा हमला किया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले में घायल चिकित्सक दंपति को गुवाहाटी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। डॉ. सैकिया की पत्नी को उपचार के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

जुबीन गर्ग हत्या मामले में चार्ज फ्रेम पर सुनवाई जारी

गुवाहाटी (हिंस)। जुबीन गर्ग हत्या मामले में चार्ज फ्रेम को लेकर शुक्रवार को न्यायालय में सुनवाई की प्रक्रिया जारी रहेगी, जो मामले के अहम चरण के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले गुरुवार को आरोपित श्यामकानू महंत की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई थी। अदालत ने इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है और 30 अप्रैल को निर्णय सुनाए जाने की तिथि निर्धारित की है। इसी क्रम में आज एक अन्य आरोपित सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिका पर भी न्यायालय में सुनवाई की जाएगी, जिससे मामले की न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

आउनीआटी सत्राधिकार का ब्रिटिश संसद में होगा ऐतिहासिक संबोधन

माजुली (हि.स.)। असम तथा भारत के लिए गौरव का क्षण लेकर आए आउनीआटी सत्र के सत्राधिकार श्रीश्री पीताम्बर देव गोस्वामी, जो पहली बार ब्रिटिश संसद को संबोधित करेंगे। यह ऐतिहासिक अवसर आगामी 8 जून को होगा, जब सत्राधिकार ब्रिटेन की यात्रा पर जाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वे ब्रिटिश संसद के लगभग 65 सदस्यों के समक्ष अंग्रेजी में अपना भाषण प्रस्तुत करेंगे। उनके संबोधन का मुख्य विषय असम की समृद्ध कला-संस्कृति, सत्रिया नृत्य, सत्रिया संगीत तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन और योगदान पर केंद्रित होगा। सत्राधिकार श्रीश्री पीताम्बर देव गोस्वामी ने इस अवसर पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि एक सत्राधिकार के रूप में विदेशी भूमि पर असम की लोकसंस्कृति को प्रस्तुत करने का अवसर मिलना उनके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। वहीं, ब्रिटिश संसद से प्राप्त इस निमंत्रण को लेकर माजुली के लोगों में भी व्यापक उत्साह और खुशी देखी जा रही है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सुबनसिरी लोअर पोंडेज को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र से मांगा समर्थन

इटानगर : अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के तालाब को विश्व स्तरीय पर्वतीय और नदी पर्यटन स्थल में बदलने की एक महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है। प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य इस क्षेत्र में पर्यावरण पर्यटन, साहसिक गतिविधियों, सांस्कृतिक अनुभवों और स्थायी आजीविका के अवसरों को एकीकृत करना है। भारत की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना, 2,000 मेगावाट की सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना, सुबनसिरी नदी पर स्थित है। चार उत्पादन इकाइयां पहले से ही चालू हैं और पूरी परियोजना के दिसंबर 2026 तक चालू होने की उम्मीद है। अधिकारियों का मानना है कि इस परियोजना से निर्मित जलाशय देश के सबसे पारिस्थितिक रूप से समृद्ध नदी गलियारों में से एक के भीतर एक प्रीमियम पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने का एक बड़ा अवसर है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तालाब क्षेत्र के आसपास पर्यटन केंद्र विकसित करने के लिए

केंद्र सरकार से समर्थन मांगा है। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने पर्यटन, बिजली, जल शक्ति, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालयों के साथ-साथ उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय सहित कई केंद्रीय मंत्रालयों से तकनीकी सहयोग का अनुरोध किया और प्रस्ताव को साकार करने के लिए एक समन्वित, समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। प्रस्ताव के अनुसार, पर्यटन परियोजना में प्रकृति आधारित पारिस्थितिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन और जल क्रीड़ा, सांस्कृतिक और विरासत आकर्षण, अंतर्देशीय मत्स्य पालन और आजीविका पहल, साथ ही विलासितापूर्ण नदी क्रूज और अन्य जल आधारित मनोरंजक गतिविधियों जैसे कई तत्व शामिल होंगे। इस परिकल्पना का उद्देश्य नेपाल में फेवा झील, थाईलैंड में केंग क्राचन, इटली में कोमो झील और डोलोमाइट्स झील सर्किट, साथ ही मिलफोर्ड साउंड जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त स्थलों से प्रेरित एक व्यापक और टिकाऊ पर्यटन मॉडल विकसित करना है। मुख्यमंत्री खांडू ने इस बात पर जोर दिया है कि इस पहल में स्वदेशी और स्थानीय समुदाय केंद्रीय भूमिका निभाएंगे, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत के प्रमुख हितधारक, लाभार्थी और संरक्षक के रूप में कार्य करेंगे। एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने पर, इस परियोजना से 2,500 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, विशेष रूप से स्थानीय युवाओं के लिए। मध्यम अवधि में, इसका लक्ष्य प्रतिवर्ष 1.5 लाख से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना है, जिससे स्थायी आजीविका को मजबूती मिलेगी और राज्य की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। पहले चरण के अंतर्गत, सरकार प्रमुख डिजाइन और योजना एजेंसियों को नियुक्त करने की योजना बना रही है ताकि वे विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर सकें, जिसमें वित्तीय अनुमान और कार्यान्वयन रणनीतियां शामिल होंगी। यह प्रक्रिया स्थानीय समुदायों के परामर्श से संपन्न की जाएगी। इस पहल को सतत पर्यटन के लिए जलविद्युत अवसंरचना का उपयोग करने के एक परिवर्तनकारी प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, साथ ही अरुणाचल प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक उच्च-मूल्य वाले गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा रहा है। गौरतलब है कि 28 मार्च को मुख्यमंत्री खांडू ने अधिकारियों और सहयोगियों के साथ सुबनसिरी नदी के किनारे लगभग 45 किलोमीटर की तीव्र गति वाली नदी यात्रा की, जो डोलुंगमुख स्थित एसएलएचईपी स्थल से कामले नदी और सुबनसिरी के संगम तक की थी। खांडू ने बाद में इस यात्रा को एक व्यापक पहल का हिस्सा बताया जिसका उद्देश्य जलविद्युत विकास को राज्य की पर्यटन क्षमता से जोड़ना था।

पूसीरे ने न्यू बंगाईगांव वर्कशॉप में स्टीम लोकोमोटिव 801-बी (1927) को किया पुनर्जीवित

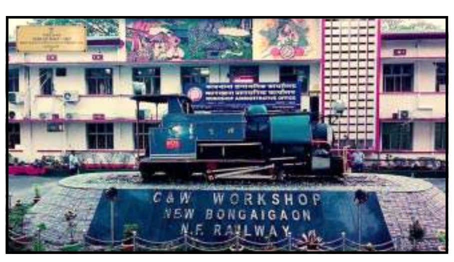

गुवाहाटी (हिंस)। भारत की समृद्ध रेल विरासत के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने ऐतिहासिक स्टीम लोकोमोटिव संख्या 801-बी को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है, जिसे मूल रूप से वर्ष 1927 में मेसर्स नॉर्थ ब्रिटिश लोकोमोटिव कंपनी लिमिटेड, ग्लासगो, यूके द्वारा निर्मित किया गया था। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि सूक्ष्मता के साथ किया गया यह नवीनीकरण न्यू बंगाईगांव वर्कशॉप में सम्पन्न किया गया है, जिसमें विरासत संरक्षण को आधुनिक तकनीकी उन्नयन के साथ समन्वित किया गया है। पुनर्स्थापित लोकोमोटिव को समकालिक वास्तविक स्टीम लोकोमोटिव ध्वनि, कृत्रिम धुएं के उत्सर्जन तथा गतिशील प्रकाश प्रभावों से सुसज्जित किया गया है, जिससे यह विंटेज मशीन दृश्य एवं श्रव्य रूप से अत्यंत आकर्षक ढंग से पुनर्जीवित हो उठी है और स्टीम युग के प्रामाणिक वातावरण का पुनर्सृजन करती है। इन उन्नयनों को ऐतिहासिक मौलिकता को बनाए रखते हुए दर्शकों के अनुभवात्मक आकर्षण को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। स्टीम लोकोमोटिव 801-बी प्रारंभिक 20वीं सदी की रेलवे इंजीनियरिंग की गौरवशाली विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। इसका पुनरुद्धार रेलवे विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो रेलवे प्रेमियों, पर्यटकों तथा युवा पीढ़ी को रेल परिवहन के विकास को अनुभव करने के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करता है। यह पहल भारतीय रेल के व्यापक दृष्टिकोण- विरासत संरक्षण एवं जनसहभागिताके अनुरूप है, जिसके अंतर्गत स्थिर प्रदर्शनों को इंटरैक्टिव प्रदर्शनी में परिवर्तित किया जा रहा है। उन्नत किया गया यह लोकोमोटिव पूसीरे के अंतर्गत विरासत प्रदर्शनों एवं रेलवे प्रदर्शनी में एक प्रमुख आकर्षण बनने की उम्मीद है।

नहीं रहे राधेश्याम सराफ, होजाई में शोक

होजाई (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच, होजाई शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकुर सराफ के पिता, विशिष्ट व्यवसायी एवं समाजसेवी राधेश्याम सराफ (68) के आज सुबह निधन की खबर से उनके शुभचिंतकों और परिजनों में गहरा शोक व्याप्त हो गया। विगत कई महीनों से अस्वस्थ चल रहे राधेश्याम सराफ दिखावे से दूर रहने वाले, निडर स्वभाव और स्पष्टवादी व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। वे समाज के साथ-साथ अन्य समुदायों के हर धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाते और अपनी क्षमता अनुसार सेवा कार्य करते। जुगल किशोर केडिया रोड स्थित भारतीय दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक सदस्य थे। गुरुजनों का विशेष सम्मान करना और उनसे आशीर्वाद ग्रहण करना उनकी जीवनशैली का अभिन्न अंग था। आज अपराह्न उनके अंतिम यात्रा जुगल किशोर केडिया रोड स्थित उनके निवास से निकली, जिसमें समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कामरूप जिले में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला के अप्रैल महीने की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज आमिनगाँव स्थित संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय में कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने कामरूप जिला में सड़क दुर्घटनाओं की प्रवृत्ति, ब्लैक स्पॉट (काले स्थान) के उन्मूलन, प्रवर्तन-आधारित व्यवस्थाओं, पुलिस, लोक निर्माण विभाग, परिवहन, स्वास्थ्य तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण आदि विभागों के बीच समन्वय आदि की समीक्षा की। आयुक्त ने अधूरे मुद्दों पर समय-सीमा निर्धारित करके त्वरित कार्रवाई पर जोर दिया और सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभागों के बीच अधिक बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में जिला में भारी ट्रकों के संचालन की समीक्षा की गई और इस संदर्भ में जिला आयुक्त ने संबंधित विभागों को कठोर प्रवर्तन, वाहनों के नियंत्रण तथा आवश्यक नियम-विधियों को कठोर रूप से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बहुआयामी रणनीति पर जोर देते हुए जिला आयुक्त ने अधिक तीव्र प्रवर्तन अभियान चलाने,

उन्नत सड़क कौशल व्यवस्था अपनाने, स्पष्ट और पर्याप्त सड़क चिह्न लगाने तथा विशेष रूप से दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों में जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इसके अलावा पिछले महीने की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की गई और अधूरे कार्यों के बारे में संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कामरूप के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुबाशीष बरुआ, अतिरिक्त जिला आयुक्त आदित्य गोगोई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुनम पेगू, जिला परिवहन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उसी दिन संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय, कामरूप में कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर कमिटी की बैठक भी आयोजित हुई। इस बैठक में जिले में अनुज्ञापत्र-रहित फार्मेसी के नियंत्रण तथा नशीली वस्तुओं के प्रचार-प्रसार को रोकने के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

संपादकीय

ट्रंप अब युद्ध नहीं चाहते!

युद्धविराम की अवधि समाप्त होने से करीब अढ़ाई घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने 'बेमियादी युद्धविराम' की घोषणा कर दी। जब तक अमरीका और ईरान के बीच बातचीत नहीं होती, तब तक युद्धविराम जारी रहेगा। दूसरी तरफ, ईरान अपनी मांग और शर्त पर अड़ा है कि जब तक होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म नहीं की जाती, तब तक कोई वार्ता नहीं होगी। ईरान ने 'डाकिए' पाकिस्तान की दोगली भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। बल्कि अब ईरान को भरोसा नहीं है कि पाकिस्तान तटस्थ संदेशवाहक की भूमिका भी निभा सकता है। अमरीकी खुफिया एजेंसी ने भी रपट दी है कि पाकिस्तान का फील्ड मार्शल जनरल मुनीर अमरीका के साथ विश्वासघात साबित हो सकता है। वह मार दिए गए, ईरानी जनरल सुलेमानी के बहुत करीब था और आज भी आईआरजीसी के कमांडरों से उसके अच्छे संबंध हैं। बहरहाल अब अमरीकी राष्ट्रपति की जुबानी भाषा काफी बदल चुकी है। अब वह ईरान को 'पाषाण-युग' में भेजने और सभ्यता को नष्ट करने सरीखे बयान नहीं दे रहे हैं। अब ट्रंप तबाही, बर्बादी के बहुत कम बयान देने लगे हैं। अब राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान युद्ध का फोकस होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर आ गया है। अमरीकी नाकेबंदी अभी जारी रहेगी, लेकिन ईरानी सैनिक कंटेनर जहाजों पर हमले कर रहे हैं। ईरान ने तीन जहाजों पर हमले भी किए हैं और दो जहाजों को जब्त कर लिया है। एक जहाज भारत के मुंद्रा, गुजरात बंदरगाह पर आना था। अमरीका की भारी-भरकम नौसेना ईरान का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाई अथवा अब नरमी बरती जा रही है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम और करीब 440 किग्रा परिष्कृत यूरेनियम का मुद्दा काफी पीछे छूट गया है। भारतीय रक्षा विशेषज्ञों के दावे हैं कि अमरीका, अंततः ईरान को परमाणु कार्यक्रम जारी रखने की 20 साल की मोहलत देगा। उसके बाद ईरान को उसे समेट कर अमरीका को सौंपना होगा। किसने देखे 20 साल! न तो हम होंगे और ट्रंप भी निश्चित रूप से ऐसी हैसियत में नहीं होंगे। मुद्दे को टालने का फैसला किया जा सकता है। ईरान की मिसाइल रेंज कम करना अथवा उन्हें 'बैलिस्टिक' एक हद तक ही रखना भी अब फोकस में नहीं है। दरअसल अब राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध से बाहर निकलना चाहते हैं। उन्हें ऐसी रपटें दी गई हैं कि थाड, पैट्रियट, सटीक, 'एसएम' श्रेणी की, उच्चतम स्तर की, मिसाइलें 50 फीसदी से 20 फीसदी तक युद्ध में खर्च की जा चुकी हैं। यदि ऐसे में चीन जैसे देश के साथ टकराव की नौबत आती है, तो अमरीका कुछ दिन की लड़ाई लड़ने में भी अक्षम, असहाय होगा। इन मिसाइलों के पर्याप्त उत्पादन में 3-5 साल लग सकते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप की, अमरीका में ही, स्वीकार्यता 30-32 फीसदी ही शेष है। संसद और जनता में उनके खिलाफ भारी रोष, आक्रोश है। मध्यावधि चुनाव 7 नवंबर को होने हैं, जिनके लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया मई में ही शुरू होनी है। ऐसे में युद्धविराम के मद्देनजर ट्रंप की मजबूरी को समझा जा सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के सामने यक्ष-प्रश्न है कि वह अमरीका को क्या बताएंगे-युद्ध जीता अथवा अधूरा छोड़ कर लौटना पड़ा? दोनों ही स्थितियों में उनके सामने सवाल होंगे, फजीहत होगी। बहरहाल युद्ध को समाप्त करने और होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग को खुलवाने, सुरक्षित आवाजाही, को लेकर कई प्रयास किए जा रहे हैं। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी महत्वपूर्ण बयान दिया है कि अब भारत मध्यस्थता कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के नेताओं से बातचीत की है। शेष विश्व भी चाहता है कि भारत यह भूमिका निभाए। किसी भी तरह युद्ध खत्म होना चाहिए। युद्ध के कारण 50 अरब डॉलर से अधिक के तेल का नुकसान हो चुका है। फ्रांस और ब्रिटेन के प्रयास से 30 देश होर्मुज को खुलवाने पर साझा विमर्श कर रहे हैं। लेकिन ईरान अब भी खाड़ी देशों और इजरायल के जल संयंत्रों, बिजली संयंत्रों और तेल-गैस ठिकानों पर हमले करने की धमकियां दे रहा है। अमरीका के करीब 1.5 लाख सैनिक और विशालकाय युद्धपोत भी ईरान को घेरे हुए मौजूद हैं। ऐसी स्थितियों में भी युद्ध समाप्त हो सकता है? प्रायः देखा गया है कि युद्ध से दोनों पक्षों को हानि ही होती है, इसलिए युद्ध में उलझना समझदारी का काम नहीं माना जाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'बेमियादी युद्धविराम' की घोषणा कर दी। जब तक अमरीका और ईरान के बीच बातचीत नहीं होती, तब तक युद्धविराम जारी रहेगा। दूसरी तरफ, ईरान अपनी मांग और शर्त पर अड़ा है कि जब तक होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म नहीं की जाती, तब तक कोई वार्ता नहीं होगी। ईरान ने 'डाकिए' पाकिस्तान की दोगली भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। बल्कि अब ईरान को भरोसा नहीं है कि पाकिस्तान तटस्थ संदेशवाहक की भूमिका भी निभा सकता है। अमरीकी खुफिया एजेंसी ने भी रपट दी है कि पाकिस्तान का फील्ड मार्शल जनरल मुनीर अमरीका के साथ विश्वासघात साबित हो सकता है। वह मार दिए गए ईरानी जनरल सुलेमानी के बहुत करीब था और आज भी आईआरजीसी के कमांडरों से उसके अच्छे संबंध हैं। बहरहाल अब अमरीकी राष्ट्रपति की जुबानी भाषा काफी बदल चुकी है। अब वह ईरान को 'पाषाण-युग' में भेजने और सभ्यता को नष्ट करने सरीखे बयान नहीं दे रहे हैं। अब ट्रंप तबाही, बर्बादी के बहुत कम बयान देने लगे हैं। अब राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान युद्ध का फोकस होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर आ गया है। अमरीकी नाकेबंदी अभी जारी रहेगी, लेकिन ईरानी सैनिक कंटेनर जहाजों पर हमले कर रहे हैं।

कुछ अलग

दूर के ढोल...

वे महान थे। वे किसी से न ईर्ष्या रखते थे न द्वेष। ईश्वर की तरह व्यवहार करते थे। महानता उनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी। किसी भी दुखियारे को देखते और करुणा से उनका मन पसीज उठता। महान वे इसलिए भी थे, क्योंकि वे स्वयं को साहित्यकार भी मानते थे। करेला ऊपर से नीम चढ़ा, परन्तु वे कभी इस अहंकार को उजागर नहीं होने देते थे। बेशक उन्हें साहित्यकार होने का प्रखर घमंड था। घमण्ड के लिए उनके पास अन्य कुछ था भी नहीं। साहित्यकार होने की मुहर उन पर इसलिए भी अंकित थी कि उन्हें एक संस्थान ने पुरस्कार भी दिया था। उनकी साहित्य सेवा रेखांकन योग्य हो रही थी। रेलों पर सरपट लिखने के कारण एक बार रेल मंत्रालय ने भी उन्हें सांत्वना पुरस्कार दिया था। वे उस समय बहुत नाराज हुए थे। रेल मंत्रालय को उलटा उलाहना दिया कि रेलों पर लिखने वाले अकेले महा-साहित्यकार हैं तो उन्हें सांत्वना देकर क्यों टरका दिया? लेकिन रेल मंत्रालय ने उनको कोई जवाब न देकर अपनी गलती स्वीकार की। चूंकि वे किसी से ईर्ष्या तो रखते ही नहीं थे, इसलिए जिसने रेल मंत्रालय का पहला पुरस्कार जीता था, उसे बधाई का पत्र भी नहीं डाला। उल्टे प्रथम पुरस्कार वाले ने उन्हें बधाई पत्र भेजा तो उन्होंने इसे अन्यथा लिया और बुरी तरह नाराज होकर बधाई पत्र को फाड़ दिया। मानवतावादी साहित्यकार होने से उन्होंने अपने लेखन में इनसानियत का शंखनाद खूब किया है। एक उपन्यास लिखा तो इतना अद्भुत कि प्रतिशोध की ज्वाला उसमें साफ झलकती दिखाई देती है, वे ईर्ष्या करते नहीं, लेकिन ईर्ष्यालु साहित्य विपुलता से रचते हैं। मेरे तो वे इतने अनन्य है कि गाहे-बगाहे मुझ पर लिख कर अपने भीतर की ईर्ष्या की आग को शांत करते रहते हैं। मैं उनके लिखे से सबसे ज्यादा डरता हूं।

तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है

कृत्रिम बुद्धिमत्ताः सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है।

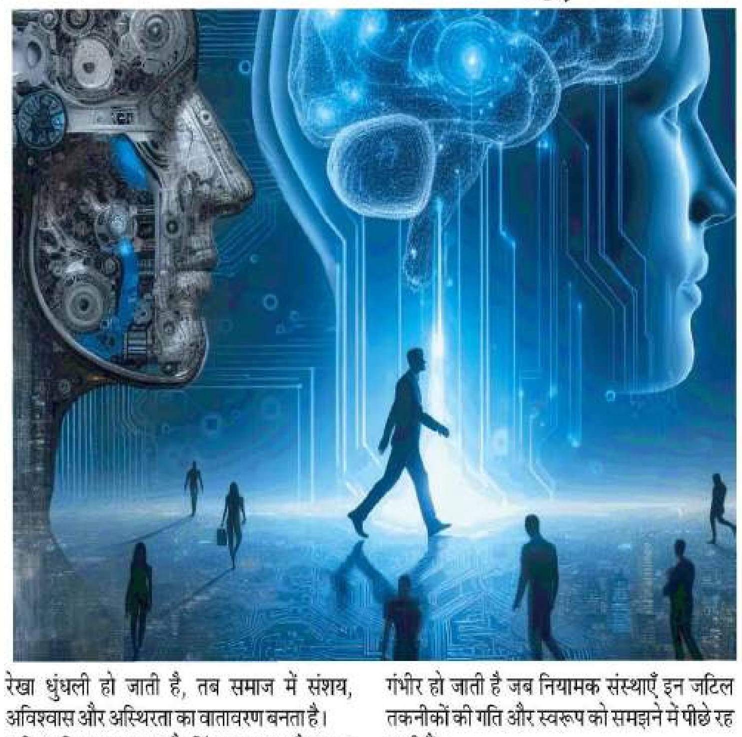

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

देश दुनीया से

कच्ची पर्ची पर रोक से किसानों को राहत की पहल

कृषि लागत और मूल्य आयोग और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में अधिकांश समय, फसल उपज की कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार के स्तर और समर्थन मूल्य से नीचे बनी रहीं और बिचौलिए आढ़तियों द्वारा शोषण के कारण कृषि उपज वस्तुओं के अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। यह हिस्सा फसल और बाजार के आधार पर 28 से 78 प्रतिशत के बीच है। ये चिंताजनक आंकड़े मंडी व्यवस्था में मूलभूत नीतिगत सुधारों की आवश्यकता दर्शाते हैं। हरियाणा की कृषि उपज मंडियों में बिचौलिए आढ़तियों के शोषण से किसानों को मुक्त करने के लिए, लागू किए गए फसल बिक्री पर धनराशि किसान के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित करने जैसे नीतिगत सुधारों के सकारात्मक नतीजे मिले हैं। फसल बिक्री से किसानों को मिलने वाली राशि पर आढ़तियों की पकड़ ढीली हुई है। आढ़तियों की कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। जिसके चलते 1 अप्रैल 2026 को प्रदेश की मंडियों के आढ़तियों को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था तुरंत बन्द करने और उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद कानूनी रसीद जे-फार्म अनिवार्य रूप से किसानों को देने के आदेश जारी किए। कृषि विशेषज्ञ के अनुसार, अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगने से, प्रदेश के किसानों को 30-40 प्रतिशत यानि गेहूं-धान फसल चक्र में 25-30 हजार रुपये प्रति एकड़ ज्यादा सालाना लाभ होगा। इस फैसले को किसान हित में महत्वपूर्ण कृषि विपणन सुधार माना जा रहा है। हरियाणा की मंडियों में लगभग 16 करोड़ क्विंटल खाद्यान्न, 1.5 करोड़ क्विंटल तिलहन, एक करोड़ क्विंटल दलहन और 12-15 लाख बेल कपास आदि फसल उपज का वार्षिक विपणन होता है। इन सबका मौजूदा समर्थन मूल्य लगभग 70,000 करोड़ रुपये वार्षिक है। गौरतलब है कि मार्च-2022 से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकार-क्षेत्र में 114 मुख्य मंडियों और कुल 376 उप-मंडियों/खरीद केन्द्रों का विशाल नेटवर्क है, जिसमें लगभग 40 हजार आढ़ती कार्यरत हैं। इन्हें विभिन्न फसलों की बिक्री पर 2 से 2.5 प्रतिशत कमीशन (आढ़त) मिलता है। जो लगभग 1400 करोड़ रुपये वार्षिक बनता है। ऐसे में प्रत्येक आढ़ती को औसत 3-4 लाख रुपये वार्षिक आढ़त बनती है। जो प्रदेश में कुशल श्रमिक के वार्षिक वेतन से भी कम है। निस्संदेह, प्रदेश की कृषि मंडियों में आढ़तियों की संख्या जरूरत से ज्यादा होने के कारण, वैध आढ़त का धंधा लाभप्रद नहीं रहा। ऐसे में कुछ आढ़तियों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए कच्ची पर्ची व्यवस्था, मनी लॉनड्रिंग व नकली बीज-खाद-दवाई बेचने जैसे अवैध धन्धे अपना लिये। वहीं तन्त्र के कुछ भ्रष्ट लोगों की मिलीभगत से किसानों का शोषण और सरकारी धन का गबन करते रहे हैं। आढ़तियों ने कृषि उपज विपणन कमेटी एक्ट-1961 रूल्स-1962 का उल्लंघन कर कच्ची पर्ची सिस्टम से वर्ष-2025 में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के धान घोटाले में सरकारी धन के गबन को अंजाम दिया। जिसकी राज्य सरकार विभिन्न स्तर पर जांच कर रही है। जबकि किसान संगठन और राजनीतिक दलों के नेता आढ़तियों द्वारा किये गये कथित घोटाले की विस्तृत जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय से कराने की मांग कर रहे हैं। कथित तौर पर यह सरकारी धन आढ़तियों के जरिये काले धन में प्रवर्तित किया गया। हरियाणा राज्य कृषि उपज विपणन कमेटी अधिनियम के तहत राज्य कृषि उपज विपणन बोर्ड मंडियों में कृषि उपज की खरीद-फरोख्त करने के लिए कमीशन एजेंट को आढ़त का लाइसेंस देता है जो सरकार के दिशानिर्देश अनुसार व्यापार करने को कानूनी तौर पर बाध्य हैं। लेकिन बिचौलिए आढ़ती मिलीभगत से तय नियमों का उल्लंघन करके मनी लॉनड्रिंग धंधे (किसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देना आदि) में लगे हुए हैं। बता दें कि मनी लॉनड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 में काले धन को वैध बनाने से रोकने के लिए इन अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्ति जब्त करने और इनमें शामिल लोगों को 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, मजबूर कर्जमंद किसानों को आढ़ती बिना लाइसेंस लिए ही कथित नकली बीज-उर्वरक-कृषि रसायन आदि बेचकर, किसान और खेती को गंभीर नुकसान कर रहे हैं। आढ़तियों की अवैध मनी लॉनड्रिंग और कृषि निवेश व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने से हरियाणा की मंडियों में वर्षों से हो रहे करीब दस हजार करोड़ रुपए वार्षिक के किसानों के शोषण और सरकारी धन के गबन पर भी लगाम लग सकेगी और खेती टिकाऊ बनेगी। जिससे कृषि विपणन में क्रान्तिकारी सुधार और लेन-देन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही आढ़तियों द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग व धोखाधड़ी पर नकेल कसेगी।

आप का नजरीया

शहरों का एकत्रिकृत विकास

शहर की चादर मैली हो गई, तेरी राह तकते-तकते। हर बार चुनाव के कान में शहर क्रंदन करता है, मगर इन आंसुओं की जुबान कोई नहीं पढ़ता, नतीजतन इसकी क्षमता अब विकरालता में बदल गई। कम से कम बीस शहर गिनती में ऐसे हैं, जिन्हें भविष्य की तस्वीर में सहेजना होगा। शहर के अंदर को बाहर तक पहुंचे शहर से मिलाना होगा। इस संदर्भ में अतीत के शहर को अपनी इमारतों का कंसोलिडेशन करना होगा। धूमल सरकार ने प्रशासनिक शहरों में संयुक्त भवन परिसर और कहीं-कहीं मिनी सचिवालयों का शुभ मुहूर्त किया, तो दफ्तर एक छत के नीचे आए। इसी संदर्भ में खाली इमारतों में शिमला के दफ्तर जिला स्तर पर आ रहे हैं, तो यह कदम आगे चलकर याद किया जाएगा। पहले हिल स्टेशन के मार्फत अंग्रेजों ने शहर बसाए थे या आर्मी स्टेशनों के वजूद में आने से शहरी जीवन विकसित हुआ। इसके बाद हिमाचल निर्माण की अवधारणा में प्रशासनिक शहरों का विकास शुरू हुआ, तो भूमि की उपलब्धता पर इमारतें बेडौल होती गईं। आज स्थिति यह है कि शहर के केंद्र बिंदु तो कहीं बाहर सरक गए, लेकिन ऐतिहासिक निशानियां गुम होने लगी हैं। आश्चर्य यह कि सरकारी इमारतें ही बेतरतीब विकास का हिस्सा बन गईं। यहां भूमि की उपलब्धता को विकास की व्यस्तता से तोला गया, तो राजनीति की रणभूमि फरियादी हो गई। ऐसे में अब शहरों का चेहरा बदलने की जरूरत है। नादौन बस स्टैंड की आधुनिक जरूरतों के लिए जब आसपास के सरकारी परिसरों को जोड़ लिया जाता है, तो इससे एकत्रिकृत विकास की मुहिम शुरू होती है। कुछ यही प्रेरणा ज्वालामुखी बस स्टैंड के नवनिर्माण को लेकर भी बन रही है, लेकिन अब हर शहर को अपना परिचय बदलने की जरूरत है। जरूरी यह नहीं कि हर शहर में मुकाम ढूंढा जाए, जरूरी यह है कि शहर में इंतजाम ढूंढा जाए। ऐसे में शहरी विकास योजनाओं के साथ दो या तीन शहरों के लिए एकत्रिकृत विकास के सेतु स्थापित किए जाएं। हमारे विधानसभाओं के क्षेत्रफल छोटे हैं अतः दो तीन मुख्यालयों के बीच विकास के कॉमन पूल बना कर किसी मध्य स्थल पर अदालती परिसर, सब्जी मंडियां, आवासीय बस्तियां, बस स्टैंड और स्थानीय ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के नए मानचित्र पर गौर करना होगा। बड़े शहरों के बीच कर्मचारी शहर बसा कर भीड़ कम करनी होगी। मसलन शिमला-सोलन, पालमपुर-धर्मशाला, मंडी-बिलासपुर और ऊना-हमीरपुर के बीच कर्मचारी शहर बसाएं जाएं, तो शहरी आर्थिकी की वृद्धि के साथ-साथ, इन शहरों में कॉमन पूल के दफ्तर भी चल सकते हैं। प्रदेश के जेल एडमिनिस्ट्रेशन को भी अब पूरे राज्य में तीन बड़ी जेलों का विकास करना चाहिए। उदाहरण के लिए हमीरपुर, ऊना व कांगड़ा जिलों के लिए देहरा के आसपास बड़ी जेल विकसित करें, तो कैदियों का प्रबंधन उचित होने के साथ-साथ किफायत भी होगी। इसके अलावा बिलासपुर, मंडी, कुल्लू व लाहौल स्पीति तथा सोलन, शिमला, किन्नौर व सिरमौर के किसी मध्य स्थलों पर दो और बड़ी जेलें विकसित की जा सकती हैं। प्रदेश सरकार को केंद्र के कई विभागों की शहरों में उपस्थिति कम करके नए प्रस्ताव देने होंगे। पालमपुर के बीचोंबीच या धर्मशाला कैंट में अब सैन्य संपत्तियों का जमाव घटा कर इन्हें कहीं अन्यत्र स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। इसी तरह धर्मशाला के बीचोंबीच पुलिस की संपत्तियां या बटालियन की मौजूदगी को कहीं अन्यत्र शिफ्ट करना पड़ेगा। ये तमाम कार्य राज्य के अपने एस्टेट विकास प्राधिकरण के मार्फत हो सकते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य व पुलिस को छोड़कर बाकी तमाम विभागों के लिए कार्यालय व आवासीय व्यवस्था अगर एक एस्टेट विकास प्राधिकरण के तहत हो, तो विकास के मायने तथा शहरीकरण के अनुशासन भी बदलेंगे।

शहर के अंदर को बाहर तक पहुंचे शहर से मिलाना होगा। इस संदर्भ में अतीत के शहर को अपनी इमारतों का कंसोलिडेशन करना होगा। धूमल सरकार ने प्रशासनिक शहरों में संयुक्त भवन परिसर और कहीं-कहीं मिनी सचिवालयों का शुभ मुहूर्त किया, तो दफ्तर एक छत के नीचे आए। इसी संदर्भ में खाली इमारतों में शिमला के दफ्तर जिला स्तर पर आ रहे हैं, तो यह कदम आगे चलकर याद किया जाएगा। पहले हिल स्टेशन के मार्फत अंग्रेजों ने शहर बसाए थे या आर्मी स्टेशनों के वजूद में आने से शहरी जीवन विकसित हुआ। इसके बाद हिमाचल निर्माण की अवधारणा में प्रशासनिक शहरों का विकास शुरू हुआ, तो भूमि की उपलब्धता पर इमारतें बेडौल होती गईं। आज स्थिति यह है कि शहर के केंद्र बिंदु तो कहीं बाहर सरक गए, लेकिन ऐतिहासिक निशानियां गुम होने लगी हैं। आश्चर्य यह कि सरकारी इमारतें ही बेतरतीब विकास का हिस्सा बन गईं। यहां भूमि की उपलब्धता को विकास की व्यस्तता से तोला गया, तो राजनीति की रणभूमि फरियादी हो गई। ऐसे में अब शहरों का चेहरा बदलने की जरूरत है। नादौन बस स्टैंड की आधुनिक जरूरतों के लिए जब आसपास के सरकारी परिसरों को जोड़ लिया जाता है, तो इससे एकत्रिकृत विकास की मुहिम शुरू होती है। कुछ यही प्रेरणा ज्वालामुखी बस स्टैंड के नवनिर्माण को लेकर भी बन रही है, लेकिन अब हर शहर को अपना परिचय बदलने की जरूरत है। जरूरी यह नहीं कि हर शहर में मुकाम ढूंढा जाए, जरूरी यह है कि शहर में इंतजाम ढूंढा जाए।

दृष्टि कोण

गुरु रविदास जी के किए गए प्रयोग

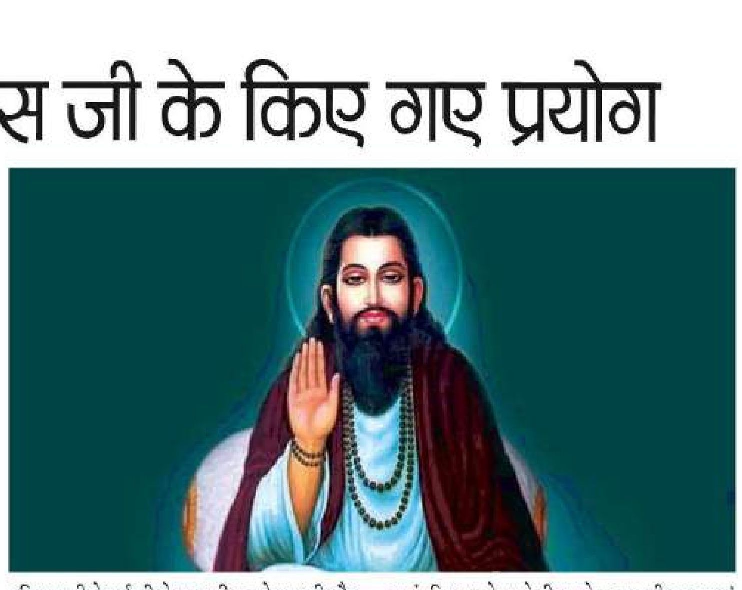

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन में कबीर, गुरु रविदास और गुरु नानकदेव जी की वाणी कालजयी मानी जाती है। गुरु रविदास जी की 650वीं जयन्ती के कार्यक्रम साल भर देश भर में किए जाएंगे। काशी में रहकर जिन्होंने जीवन भर श्रम, भक्ति और ज्ञान साधना की, ऐसे गुरु रविदास जी की 650वीं जयन्ती के अवसर पर, आज का भारत जिन समस्याओं से जूझ रहा है, उनको लेकर उनका का संदेश क्या हो सकता है, यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है। इतिहास भूतकाल को इंगित करता है। इतिहास को भूतकाल और वर्तमान का संवाद भी कहा जाता है। इसी संवाद से वर्तमान की समस्याओं को सुलझाने का रास्ता निकलता है। वर्तमान काल में उसकी प्रासंगिकता तभी होती है, यदि उनका मार्ग वर्तमान की समस्याओं के समाधान में सहायक हो सके। गुरु रविदास जी के योगदान के बारे में सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र के चिन्तक दत्तात्रेय होसबोले ने इसका संकेत दिया है। उनका कहना है, 'वर्तमान समय में जब विविध विभाजनकारी शक्तियां जनमानस को वर्ग और जाति के आधार पर बांटने का प्रयास कर रही हैं, तब गुरु रविदास जी के जीवन-संदेश के मर्म को समझकर हम सभी को देश और समाज की एकात्मता के लिए कार्य करने का संकल्प लेने की आवश्यकता है।' होसबोले के अनुसार मोटे तौर पर भारतीय समाज को बांटने वाले दो मुख्य कारक हैं। पहला कारक वर्ग है और दूसरा जाति है। इन दोनों कारकों से देश और समाज की एकात्मता भंग होती रही है। होसबोले ने बीमारी की पहचान तो सही की है। जब तक सही बीमारी पहचान में न आए, तब तक उसका इलाज सम्भव नहीं है। लेकिन भारतीय समाज को घुन की तरह लग गई इस बीमारी का जिम्मेदार कौन है? इसकी खोज भी जम्बू द्वीप में ही करनी होगी। इसका उल्लेख दत्तात्रेय होसबोले ने भी जिक्र किया है। दत्तात्रेय लिखते हैं, 'मुस्लिम आक्रमणकारियों के आतंक के उस कठिन काल में भक्ति की निर्मल धारा को प्रवाहित करते हुए संत श्री रविदास जी ने धर्म की श्रेष्ठता की उद्घोषणा की और लोगों से धर्मपालन का आग्रह किया। सद्गुरु संत श्री रविदास जी को भी इस्लाम में मतान्तरित करने के अनेक प्रयास हुए, किन्तु उनकी भक्ति और आध्यात्मिक साधना से प्रभावित होकर उन्हें मतांतरित करने वाले ही उनके अनुयायी बन गए।' इस्लाम पंथ के अनुयायी मुसलमानों का भारत से क्या संबंध है और उसका भारत में क्या परिणाम हुआ, इसको समझना जरूरी है। छठी शताब्दी में जम्बू द्वीप के अरब क्षेत्र में इस्लाम पंथ का उदय हुआ था। उससे पहले उसी क्षेत्र के आसपास याहोबा मत और ईसाई मत का उदय हुआ था। इस्लाम पंथ का उदय सबसे अन्त में हुआ। यह पंथ ज्ञान और अध्यात्म के क्षेत्र में भी संवाद को आधार न बना कर तलवार को आधार बनाने का पक्षधर था और उसका व्यावहारिक रूप में प्रयोग भी करता था। सातवीं शताब्दी के अन्त में अरबों ने सप्त सिन्धु क्षेत्र से भारत पर आक्रमण किया। सिन्ध को जीतने के बाद अरबों ने वहां अपने इलाके के नए इस्लाम पंथ का सिन्ध में प्रचार करने के लिए तलवार का प्रयोग किया। आधिभौतिक क्षेत्र के प्रश्नों पर विचार करने के लिए भारत में संवाद की प्रचलित सनातन परम्परा थी। इसलिए अरबों की भौतिक चुनौती का मुकाबला तो किया जा सकता था और अरबों के हमलों से पहले भी यूनान और शक-हूणों के हमलों का मुकाबला भारतीयों ने किया ही था। लेकिन अध्यात्म के क्षेत्र में तलवार का प्रयोग भारतीयों ने पहली बार देखा था। भारत के विभिन्न समुदाय अपने अपने खोल में सिमट गए।

विधानसभा को बार-बार धमकी पर गहलोत का हमला

बोले, कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर पोस्ट करते हुए कहा कि राज्य में जिस तरह से सुरक्षा व्यवस्था का मजाक बन रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान विधानसभा को बार-बार बम से उड़ाने की धमकी मिलना कोई सामान्य घटना नहीं है। हाल ही में फिर से ऐसी धमकी मिलना इस बात का संकेत है कि अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं और उनके मन से कानून का डर खत्म हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री को भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, जो बेहद चिंताजनक है। मुख्यमंत्री किसी एक दल के नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के होते हैं, ऐसे में उन्हें धमकी मिलना पूरे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। गहलोत ने कहा कि हाई कोर्ट, जिला कलेक्ट्रेट और अन्य सरकारी संस्थानों को मिल रही धमकियां आम जनता के मन में असुरक्षा का माहौल पैदा कर रही हैं। जब विधानसभा और अदालत जैसे संवेदनशील स्थानों को खुलेआम निशाना बनाया जा रहा है, तो आम नागरिक की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब छह महीनों से इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन अब तक मुख्य आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि सुरक्षा एजेंसियां इस नेटवर्क को तोड़ने में सफल नहीं हो पा रही हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि मुख्यमंत्री को इस पूरे मामले में तुरंत संज्ञान लेना चाहिए और पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश देकर दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए, ताकि जनता के बीच सुरक्षा का विश्वास बहाल हो सके।

भगवंत मान ने भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों को पंजाब का गद्दार बताया

विधायकों पर ऑपरेशन लोटस नहीं चला तो सांसदों को फंसाया, जनता गद्दारों को सिखाएगी सबक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी छोड़ने वाले राज्य सभा के सांसदों को पंजाब तथा पंजाबियत का गद्दार करार देते हुए कहा है कि पंजाब की जनता बहुत जल्द उन्हें इस कृत्य का जवाब देगी। आम आदमी पार्टी के सात राज्य सभा सांसदों ने शुक्रवार को दिल्ली में पार्टी छोड़ने का एलान किया है। इन सात सांसदों में से छह सांसद पंजाब के हैं। राजनीतिक घटनाक्रम के बाद चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि सात गद्दारों के पार्टी छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। पार्टी पूरी तरह से मजबूत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पंजाब में तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली दे रही है और पंजाब को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। पंजाब में 19 टोल टैक्स बंद किए गए हैं। भगवंत मान ने आरडीएफ का पैसा रोकने पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि पंजाब में हो रहे विकास

कार्य भाजपा को हजम नहीं हो रहे हैं। भाजपा पंजाब वासियों के साथ शुरू से ही धोखा व धक्केशाही करती रही है। उन्होंने हरियाणा में दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी समेत देश के अन्य कई राज्यों में भाजपा द्वारा किए गए गठबंधनों का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा जिस भी दल के साथ गठबंधन करती है उसे खत्म कर देती है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में इस तरह का घटनाक्रम पहले भी हो चुका है, जब सुखपाल सिंह खैहरा ने कई विधायकों को तोड़कर अलग गुट बनाया था। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी ने पहले भी कई विधायकों को तोड़ने के लिए ऑपरेशन लोटस चलाया, लेकिन कामयाब नहीं हो सकी। उन्होंने पार्टी छोड़ने वाले राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह भज्जी, विक्रमजीत साहनी तथा राजिंद्र गुप्ता को पंजाब का सबसे बड़ा गद्दार करार देते हुए कहा कि यह सभी अपनी जान बचाने के लिए भाजपा में गए हैं, लेकिन बहुत जल्द इन सभी को पछताना पड़ेगा। भाजपा में जाने वाले मनप्रीत बादल, कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे नेता आज पंजाब की राजनीति में हाशिए पर हैं। भगवंत मान ने ईडी व अन्य जांच एजेंसियों को चुनौती देते हुए कहा कि वह जब चाहें उनके विरुद्ध जांच कर सकते हैं। पिछले चार साल के दौरान कई बार प्रयास किए, लेकिन कुछ नहीं मिला तो उनके लोगों को दबाना शुरू कर दिया।

लोकतांत्रिक तरीके से हासिल करेंगे न्याय : अजय चौटाला

सिरसा (हिंस)। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के अध्यक्ष अजय चौटाला ने कहा कि पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के साथ हिसार में हुए दुर्व्यवहार प्रकरण में न्यायालय ने दुष्यंत चौटाला की याचिका स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा कि इससे न्याय की उम्मीद काफी बढ़ गई है। अजय चौटाला शुक्रवार को सिरसा में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। चौटाला ने बताया कि 27 अप्रैल को हिसार के क्रांतिमान पार्क में प्रस्तावित छात्र महापंचायत में केवल इनसो नहीं बल्कि प्रदेशभर के सभी छात्र संगठनों के साथ-साथ विभिन्न खाप पंचायतों के प्रतिनिधि व राजनीतिक पार्टियों के नेता भी शामिल होंगे। अजय चौटाला ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से जेजेपी को बदनाम करने के उद्देश्य से ही यह षड्यंत्र रचा गया। सीधे स्पष्ट रूप से सरकार हर कदम पर इस षड्यंत्र में शामिल थी। उन्होंने कहा कि पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से बौखलाकर सरकार ने ऐसे षड्यंत्र की रचना की, मगर पार्टी किसी भी अन्याय के आगे नहीं झुकेगी और लोकतांत्रिक तरीके व न्यायालय के माध्यम से न्याय हासिल करेगी।

अनुशासन और मुस्तैदी से ही बनती है पुलिस की असली पहचान : डीजीपी राजीव कुमार शर्मा

जयपुर (हिंस)। पांचवीं बटालियन आरएसी परिसर में शुक्रवार को आयोजित भव्य अलंकरण समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने आरएसी के जवानों और अधिकारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया और बल की कार्यक्षमता बढ़ाने हेतु अनुशासन और तैयारी के महत्व पर विशेष बल दिया। डीजीपी शर्मा ने अपने उद्बोधन में जवानों को अनुशासन का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि पुलिस की पहचान उसके टर्नआउट और चुस्ती-फुर्ती से होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी चाहे किसी निवास की सुरक्षा की हो, जेल की हो या कानून-व्यवस्था की, जवानों की तैयारी में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जवानों को सीख दी कि वर्दी पहनने के ढंग से लेकर मौके पर पहुंचते ही चुस्ती के साथ कतारबद्ध होने की प्रक्रिया तक, आपकी हर हरकत में पेशेवर दक्षता नजर आनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर ड्यूटी के दौरान उपकरणों के सही इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया। महानिदेशक ने आह्वान किया कि जहां भी सीखने में थोड़ी भी कमी रह गई है, उसे निरंतर अभ्यास और समर्पण से पूरा करें ताकि राजस्थान पुलिस हर मोर्चे पर अच्छे से अच्छा प्रदर्शन कर सके। समारोह के दौरान डीजीपी ने आरएसी के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जिन्होंने गत वर्षों में अपनी ड्यूटी के दौरान असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मुख्यालय द्वारा दिया जाने वाला यह पहचान केवल पदक या प्रशस्ति पत्र नहीं है, बल्कि यह जवान की मेहनत का सम्मान है। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। डीजीपी शर्मा व संजय अग्रवाल द्वारा कुल 49 कार्मिकों को डीजीपी डिस्क और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही, सराहनीय सेवाओं के लिए 149 कार्मिकों को एडीजी रुपिंदर सिंघ और आईजी राहुल कोटोकी ने अति उत्कृष्ट सेवा पदक और इससे पहले डीआईजी विनीत बंसल और आदर्श सिधु 117 कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा पदक से अलंकृत किया गया। समारोह में डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल के अटूट अनुशासन, समर्पण और उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की भूरी-भूरी सराहना की गई। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि आरएसी के जवान कठिन परिस्थितियों में भी जिस धैर्य और निष्ठा के साथ कार्य करते हैं, वह पूरे पुलिस महकमे के लिए प्रेरणादायी है। समारोह के अंत में एडीजी रुपिंदर सिंघ ने सभी सम्मानित होने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, आमंत्रित अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस प्रकार के सम्मान समारोहों से बल में नई ऊर्जा का संचार होता है।

डंपर-बोलेरो भिड़ंत के बाद लगी आग, तीन जिंदा जले

चूरू (हिंस)। जिले में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन लोगों की जान ले ली। सादुलपुर-पिलानी रोड पर थिरपाली गांव के पास डंपर और बोलेरो की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो में तुरंत आग लग गई और उसमें सवार तीन लोग जिंदा जल गए। हादसा गुरुवार रात थिरपाली टोल प्लाजा के पास हुआ। आग की लपटों में घिरी बोलेरो को देखकर मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। शव बुरी तरह जल जाने के कारण उनकी पहचान नहीं हो पाई है। हमीरवास थाना अधिकारी राय सिंह के अनुसार बोलेरो सवार लोग सिद्धमुख क्षेत्र से पिलानी में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। वहीं डंपर राजगढ़ की ओर जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी में डंपर की तेज रफ्तार को हादसे का कारण बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी कानून बनने पर 18 माह बाद टावर से उतरा गुरजीत सिंह खालसा

समाना (हिंस)। पटियाला जिले के समाना में करीब 18 महीनों से चल रहा टावर मोर्चा अब समाप्त हो गया है। बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून की मांग को लेकर 400 फीट ऊंचे टेलीकॉम टावर पर चढ़ रहे गुरजीत सिंह खालसा को शुक्रवार सुबह सुरक्षित तरीके से नीचे उतार लिया गया। प्रशासन ने उन्हें नीचे लाने के लिए एक दिन पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी थीं। शुक्रवार को श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के बाद गुरजीत सिंह खालसा अपने समर्थकों की मौजूदगी में टावर से नीचे उतरे। इस दौरान मौके पर बड़ी संख्या में संगत और समर्थक मौजूद रहे। गुरजीत सिंह खालसा अक्तूबर, 2024 में बेअदबी की बढ़ती घटनाओं के विरोध में इस टावर पर चढ़े थे। वे लगातार सख्त कानून बनाने की मांग करके मौसम की कठोर परिस्थितियों के बावजूद अपने फैसले पर डटे रहे। हाल ही में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने *जगत ज्योत श्री गुरु*

ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026 को मंजूरी दी, जिसके बाद इस आंदोलन के खत्म होने का रास्ता साफ हुआ। इस कानून के लागू होने से बेअदबी के मामलों में सख्त सजा का प्रावधान सुनिश्चित हुआ है। नीचे उतरने के बाद गुरजीत सिंह खालसा ने कहा कि यह उनके लिए संतोष का समय है, क्योंकि उनकी लंबी लड़ाई सफल रही है। उन्होंने कहा कि वाहेगुरु ने मेरी अरदास सुन ली है, अब बेअदबी करने वालों को कड़ी सजा मिलेगी। एक साल से अधिक समय तक सरकारी आश्वासनों के बावजूद उन्होंने अपना आंदोलन खत्म करने से इनकार किया था। खराब मौसम का सामना करते हुए भी वे टावर पर डटे रहे। उनके समर्थन में 1 जनवरी को समाना से पैदल मार्च निकाला गया था और मार्च महीने से शहर में अनिश्चितकालीन धरना भी शुरू किया गया था। पटियाला जिले के गांव खेड़ी नगाइयां के रहने वाले 43 वर्षीय गुरजीत सिंह खालसा पेशे से किसान और डेयरी मालिक हैं। इस लंबे संघर्ष के दौरान उनके परिवार और समर्थकों ने उनका पूरा साथ दिया। टावर पर रहते हुए वे तिरपाल की छत के नीचे रहते थे और रोजाना सेवक उन्हें दिन में एक बार भोजन और पानी पहुंचाते थे।

स्कूल जा रही नाबालिक का किडनैप कर गैंगरेप, वाहन को ग्रामीणों ने लगाई आग

जयपुर (हिंस)। जिले के एक गांव की 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले में दो लोगों के नामजद सहित तीन के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। वहीं जब आरोपी घटना को अंजाम देकर वापिस पीड़िता को छोड़ने आये तो भीड़ को देखकर अपना वाहन छोड़कर फरार हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने उनके वाहन में आग लगा दी। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां जले हुए वाहन को कब्जे में लेकर थाने ले जाया गया। इस संबंध में नाबालिग के भाई ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 15 वर्षीय बहन कक्षा 11 की छात्रा है, जो सरकारी स्कूल में पढ़ती है। वह गुरुवार को सुबह 8 बजे स्कूल पैदल जा रही थी तो रास्ते में एक बोलेरो गाड़ी आई और उसकी बहन को जबरन गाड़ी में खींच लिया। जिसमें दो लड़के थे। उन्होंने गाड़ी में उसकी बहन के हाथ बांध दिए और आंखों पर पट्टी बांध दी एवं रास्ते मे एक लड़के को और गाड़ी में बिठाया।

पत्रकारिता की आड़ में अवैध वसूली करते पांच लोग गिरफ्तार

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर में पत्रकारिता और माइक का धौंस दिखाकर पैसा वसूली करने वाले एक बड़े गिरोह का भागलपुर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। जोगसर थाना क्षेत्र के मानिक सरकार चौक स्थित *2.0 रेस्टोरेंट* में खुद को पत्रकार बताकर अवैध रूप से पैसा मांग रहे 5 शातिर अपराधियों को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को हुई इस कार्रवाई ने शहर के उन तत्वों में हड़कंप मचा दिया है जो मीडिया की आड़ में आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे। वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर को गुप्त सूचना मिली थी कि मानिक सरकार चौक स्थित रेस्टोरेंट में कुछ लोग पत्रकार बनकर संचालक को डरा-धमका रहे हैं और अवैध पैसों की मांग कर रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (नगर-01) की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जोगसर थानाध्यक्ष मंटू कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल *2.0 रेस्टोरेंट* में छापेमारी की। वहां पुलिस को देख फर्जी पत्रकार भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन घेराबंदी कर 5 पुरुषों को दबोच लिया गया। हालांकि, इस गिरोह में शामिल दो महिला अपराधी चकमा देकर फरार होने में सफल रहीं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी भागलपुर जिले के ही अलग-अलग थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। जिसमें गौतम कुमार गर्जना, अरविन्द कुमार, अजय कुमार, संजीव मिश्रा और शमीम उल्लाह शामिल है। रेस्टोरेंट के संचालक अभिषेक कुमार ने इन जालसाजों की धमकियों के आगे झुकने के बजाए कानून का सहारा लिया। उनके लिखित आवेदन पर जोगसर थाने में कांड संख्या-87/2026 दर्ज की गई है। एफआईआर में कुल 7 लोगों (5 पुरुष और 2 महिलाएं) को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने साफ किया है कि फरार दोनों महिलाओं की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

हत्या मामले में फरार पच्चीस हजार का इनामी माफिया अतीक का करीबी गिरफ्तार

प्रयागराज (हिंस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित करेली पुलिस टीम ने शुक्रवार को हत्या मामले में फरार 25 हजार के इनामी आरोपी को बरखंडी महादेव मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने दी उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मूलरूप से धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी मसारी निवासी राशिद दुर्रानी पुत्र मो. हाशिम है। वर्तमान में ख्वाजा नगर ऐनुद्दीनपुर, थाना करैली में रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी खिलाफ पहले से कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई थाना करैली में दर्ज मुकदमा संख्या 69/2026 धारा 103(1)/61(2)(ए) बीएनएस से संबंधित है। 8 अप्रैल 2026 को वादी मो. आमिर ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनके पिता मो. इरफान को चाय की दुकान पर बैठे समय आरोपितों ने गोली मार दी। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। परिवार के लोगों ने बताया कि आरोपित माफिया अतीक अहमद गैंग का सक्रिय सदस्य है। उनके नाम पर क्षेत्र में दबंगई अब भी कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ हत्या, साजिश, गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में पांच मुकदमे दर्ज हैं। वह पहले से ही पुलिस की निगरानी में था और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि हत्या के इस गंभीर मामले में वांछित चल रहे इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष आशीष सिंह, उपनिरीक्षक रमेश कुमार सिंह सहित पुलिस टीम के अन्य कर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला आरक्षण बिल पर अपर्णा यादव का तीखा बयान, विपक्ष पर साधा निशाना

गोरखपुर (हिंस)। महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी हलचल एक बार फिर तेज हो गई है। गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्ष 1996 से लम्बित यह महत्वपूर्ण विधेयक अब तक पारित नहीं हो सका। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने शुरू से ही इस बिल का समर्थन नहीं किया और लगातार महिलाओं को गुमराह करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी को उनका अधिकार देने में जिस प्रकार की देरी हुई है, वह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया राष्ट्र संबोधन का उल्लेख करते हुए लोगों से उसे पुनः सुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से आश्वस्त किया है कि उनका संकल्प अटल है और महिला आरक्षण बिल को दोबारा सदन में लाकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ पारित कराने का प्रयास किया जाएगा। इस दिशा में उन्हें प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास है। अपर्णा यादव ने विपक्ष के रवैये को महिलाओं के प्रति असंवेदनशील बताते हुए कहा कि देश की नारी इस व्यवहार को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इसका प्रभाव आने वाले चुनावों में स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा और विपक्ष को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि महिला आरक्षण बिल का मुद्दा अब केवल संसद तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर देश के दूर-दराज क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाएं समान रूप से अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए जागरूक हो रही हैं और वे हर क्षेत्र में प्रतिनिधित्व चाहती हैं। इतिहास का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 1996 से इस बिल को लेकर जो स्थिति बनी हुई है, वह विपक्ष की मंशा पर सवाल खड़े करती है। यदि इतने वर्षों में इसे पारित नहीं किया जा सका, तो यह स्पष्ट संकेत है कि महिलाओं के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई। पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि हालिया चुनावों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि अब महिलाएं अपने अधिकारों को लेकर सजग और मुखर हो चुकी हैं। यह बदलाव देश की राजनीति में एक नई दिशा तय कर सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के भीतर व्यापक आक्रोश है और यह आक्रोश आने वाले समय में निर्णायक भूमिका निभाएगा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

तेजस्वी यादव का भाजपा पर नीतीश कुमार को दबाव डालकर हटाने का आरोप

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विश्वास मत हासिल करने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला। विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने के बाद सदन से बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अंदर ही अंदर दबाव डालकर, टॉर्चर करके और बेइज्जत कर के हटाया गया है। उन्होंने कहा कि इस बात को कौन नहीं जानता है। बिहार में कोई ओरिजनल भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मुख्यमंत्री बना है क्या? तेजस्वी यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी पहली बार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के टिकट पर चुनाव लड़े थे और पार्टी की ओर से सचेतक भी बनाए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि विजय चौधरी पहली बार कांग्रेस से चुनाव लड़े थे, जबकि बिजेंद्र यादव जनता दल से आए हैं। ऐसे में भाजपा के भीतर भी इस नेतृत्व को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी भले ही भाजपा के मुख्यमंत्री हों, लेकिन वे संघ के स्वयंसेवक नहीं हैं। तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी की शैक्षणिक योग्यता और उम्र को लेकर भी तंज कसा। तेजस्वी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि मुख्यमंत्री कितने शिक्षित हैं और उन्होंने कौन-सा कोर्स किया है। उन्होंने कहा कि उनकी डिग्री और उम्र को लेकर भी कई सवाल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सम्राट चौधरी के खिलाफ हत्या समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। तेजस्वी यादव ने बिहार की राजनीतिक अस्थिरता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य में पांच सरकारें बनीं, जिससे शासन और विकास कार्य प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि इस साल का 40 प्रतिशत समय तो सरकार बनाने और बदलने में ही बर्बाद हो गया, फिर काम कब हुआड़ तजस्वी यादव ने यह भी कहा कि अगर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद छोड़ना ही था, तो वे चुनाव के समय ही इसकी घोषणा कर सकते थे। तेजस्वी ने दावा किया कि चुनाव के दौरान कभी यह संकेत नहीं दिया गया, जबकि विपक्ष लगातार कह रहा था कि भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं रहने देगी। तेजस्वी ने निशांत कुमार के बयान का भी जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने भी कहा था कि *अमित अंकल* ने भरोसा दिलाया था कि 2030 तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। ऐसे में अचानक हुए बदलाव ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

चित्तौड़ के स्थापना दिवस पर ध्वजा चढ़ा, शहर में खुशहाली की कामना

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। चित्तौड़ी आठम महोत्सव समिति की ओर से शुक्रवार सुबह दुर्ग स्थित कालिका माता मंदिर पर विशाल ध्वजा चढ़ाई गई। मंदिर में हवन कर क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की गई। चित्तौड़ के स्थापना दिवस पर चित्तौड़ी आठम महोत्सव समिति करीब 18 वर्षों से स्थापना दिवस मनाते आ रही है। चित्तौड़ी आठम महोत्सव समिति के कुलदीप पारीक ने बताया कि चित्तौड़गढ़ के स्थापना दिवस व कालिका माता मंदिर पाटोत्सव तिथि चित्तौड़ी आठम पर सुबह विशाल ध्वजा लेकर दुर्ग कालिका माता मंदिर पहुंच कर विधि विधान से पूजा अर्चना कर नई ध्वजा चढ़ाई गई। महंत रामनारायण पुरी, महंत लालसिंह के सानिध्य में पं. अरविन्द भट्ट के वैदिक मंत्रोचार से इस बार अच्छी बरसात, धन, धान्य, बीमारियों से मुक्ति व सभी के आनन्दमय जीवन की कामना की आहुतियां देकर हवन

पूर्ण किया गया। अंत में आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। जय चित्तौड़, जय मेवाड़ के नारे लगाए गये। अमन गौड़ ने बताया कि इस दौरान आरएसएस के विभाग संघचालक हेमंत जैन, विभाग कार्यवाह दिनेश भट्ट, नगर प्रचारक गोविन्द, विधायक चन्द्रभानसिंह आक्या, पूर्व सभापति सुशील शर्मा, चित्तौड़ी आठम महोत्सव समिति के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश नाहटा, वरिष्ठ नागरिक मंच के सचिव राधेश्याम आमेरिया, विहिप के जिला मंत्री शेखर सोनी, जौहर स्मृति संस्थान महामंत्री तेजपाल सिंह खोर, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव त्यागी, विरासत संस्थान अध्यक्ष पवन पटवारी, अमन गौड़, बाबु डांगी, अर्जुन जोशी, ओमप्रकाश, शैलेन्द्र झंवर, राजन माली सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

ग्राहक अब आटोमैटिक गियरबाक्स वाली कारों की ओर कर रहे रुख

नई दिल्ली

भारतीय ग्राहक अब आटोमैटिक गियरबाक्स वाली कारों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी कड़ी में अगर ग्राहक असली आटोमैटिक ड्राइविंग अनुभव और बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी चाहते हैं, तो टार्क कन्वर्टर गियरबाक्स सबसे बेहतर विकल्प है। रुपए 15 लाख से कम बजट में भी कई दमदार एसयूवी इस तकनीक के साथ उपलब्ध हैं, जो आरामदायक और परेशानी मुक्त ड्राइविंग सुनिश्चित करती हैं।

इस सूची में मारुति सुजुकी फ्रान्क्स अकेली माइक्रो-एसयूवी शामिल है। इस कार की खासियत है इसका 1.0-लीटर बूस्टरजेट टर्बो-पेट्रोल इंजन, जो 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह सेटअप दमदार मिड-रेंज परफार्मेंस और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करता है, जो मारुति की एएमटी इकाइयों के मुकाबले काफी बेहतर ड्राइविंग अनुभव देता है। काम्पैक्ट आकार, हल्का स्टीयरिंग और बेहतरीन माइलेज फ्रान्क्स को उन सिटी बायर्स के लिए बेस्ट आप्शन बनाते हैं, जो फुली काम्पैक्ट एसयूवी खरीदे बिना परफार्मेंस चाहते हैं।

भारत में स्कोडा कायलाक सबसे अधिक बिकने वाली स्कोडा कार है। इसमें कंपनी टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन आफर कर रही है। यह संयोजन प्रदर्शन और विश्वसनीयता का बेहतरीन संतुलन प्रदान करता है, जिससे डीसीटी में अक्सर पाई जाने वाली धीमी गति की हिचकिचाहट से बचा जा सकता है। कायलाक बेहतरीन राइड क्वालिटी और स्टेबल हाईवे परफार्मेंस भी देती है, जिससे यह उन ग्राहकों के लिए कमाल का आप्शन है जो प्रीमियम कीमत चुकाए बिना यूरोपीय ड्राइविंग का एक्सपीरियंस चाहते हैं।

वहीं मारुति सुजुकी ब्रेजा इस सेगमेंट की एकमात्र काम्पैक्ट एसयूवी है जो नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प देती है। इसका 1.5-लीटर का पेट्रोल इंजन भले ही उतना एक्साइटिंग न हो, लेकिन यह विश्वसनीय और परिष्कृत है।

ब्रेजा की ताकत इसकी सरलता में है; इसमें न टर्बोचार्जर है, न काम्प्लेक्स इलेक्ट्रानिक्स, बस एक स्मूथ एनए इंजन और एक भरोसेमंद आटोमैटिक गियरबाक्स, जो इसे लंबे समय तक स्वामित्व के लिए एक शानदार विकल्प बनाता है। डीजल एटी कारों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, किआ सानेट डीजल एटी सबसे किफायती और भरोसेमंद विकल्पों में से एक है। इसका 1.5-लीटर डीजल इंजन 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर के साथ मिलकर दमदार लो-एंड टार्क और हाईवे पर आरामदायक ड्राइव सुनिश्चित करता है। खास बात यह है कि सानेट एफवाय 2026 में एक लाख यूनिट्स का आंकड़ा पार करने वाली किया की अकेली कार थी।

न्यूज ब्रीफ

वनप्लस नार्ड सीई 6 लान्च से पहले गीकबेंच पर दिखाः जानें संभावित फीचर्स

नई दिल्ली। वनप्लस अपनी नार्ड सीरीज में एक नया स्मार्टफोन, वनप्लस नार्ड सीई 6 जल्द ही लान्च कर सकता है। लान्च से पहले यह स्मार्टफोन गीकबेंच बेंचमार्किंग वेबसाइट पर देखा गया है, जिससे इसके कई अहम फीचर्स सामने आए हैं।

लिस्टिंग के अनुसार, यह फोन क्वालकाम स्नैपड्रैगन 7एस जेन 4 प्रोसेसर, 8जीबी रैम और नवीनतम एंड्रायड 16 आपरेटिंग सिस्टम के साथ आ सकता है। यह माडल भारत और कुछ ग्लोबल मार्केट्स में पेश किए जाने की उम्मीद है और इसका माडल नंबर सीपीएच2805 बताया गया है। गीकबेंच लिस्टिंग से पता चलता है कि इसमें आक्टा-कोर प्रोसेसर दिया जाएगा, जिसकी बेस क्लाक स्पीड 1.80जीएचजेड होगी। प्रोसेसर की जानकारी के आधार पर माना जा रहा है कि इसमें क्वालकाम स्नैपड्रैगन 7एस जेन 4 चिपसेट मिलेगा, जो हाल ही में लान्च हुए मोटोरोला एज 70 फ्यूजन और वीवो टी5 प्रो जैसे स्मार्टफोन्स में भी देखने को मिला है। यह चिपसेट अच्छी परफार्मेंस और स्मूथ मल्टीटास्किंग देने में सक्षम हो सकता है। फोन में करीब 7.21जीबी रैम दिखाई गई है, जिसे मार्केट में 8जीबी रैम के रूप में पेश किया जा सकता है। यह स्मार्टफोन एंड्रायड 16 पर काम करता हुआ नजर आया है और उम्मीद है कि इसमें वनप्लस का नया यूजर इंटरफेस आक्सीजनओएस 16 का सपोर्ट भी मिलेगा। गीकबेंच स्कोर की बात करें तो, इस फोन ने सिंगल-कोर टेस्ट में 1,101 अंक और मल्टी-कोर टेस्ट में 3,117 अंक हासिल किए हैं। तुलना के लिए, पिछले साल आए वनप्लस नार्ड सीई 5 ने सिंगल-कोर में 1,317 और मल्टी-कोर में 3,989 अंक हासिल किए थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वनप्लस नार्ड सीई 6 की परफार्मेंस पिछले माडल के आसपास ही रह सकती है। हालांकि, नया चिपसेट और एंड्रायड 16 इसे बेहतर यूजर एक्सपीरियंस दे सकते हैं। फिलहाल कंपनी ने वनप्लस नार्ड सीई 6 की लान्च डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन गीकबेंच पर इसकी मौजूदगी से साफ है कि लान्च ज्यादा दूर नहीं है।

एप्पल आईओएस 27 के साथ सिरी को बनाएगा चैटजीपीटी जैसा स्मार्ट

नई दिल्ली। एप्पल अपने आईफोन यूजर्स के लिए आईओएस 27 के साथ सिरी में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2026 इवेंट में नए सिरी का पहला आधिकारिक प्रीव्यू दिखा सकती है। इस बार सिरी सिर्फ डिजाइन में ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के मामले में भी काफी ज्यादा स्मार्ट हो सकता है, जैसा हाल ही में आई एक रिपोर्ट में बताया है। यह नया सिरी इंटरफेस एक ग्लोइंग इफेक्ट के साथ आएगा, खासकर डार्क मोड में यह और भी आकर्षक दिखेगा। सिरी का डायनामिक आइलैंड के साथ सीधा इंटीग्रेशन एक बड़ा बदलाव होगा। यानी जब यूजर सिरी को एक्टिव करेगा, तो डायनामिक आइलैंड का पिल-शेप्ड हिस्सा बड़ा हो जाएगा और वहां सर्च आर आस्क जैसा प्राम्प्ट दिखाई दे सकता है। इसके साथ एक ग्लोइंग कर्सर भी दिखेगा, जिससे सिरी का इस्तेमाल पहले से ज्यादा इंटरैक्टिव लगेगा। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि एप्पल एक नया स्टैंडअलोन सिरी ऐप भी ला सकता है, जहाँ यूजर्स अपनी पुरानी बातचीत देख सकेंगे और सिरी एवं स्पाटलाइट सर्च के बीच बेहतर कनेक्शन मिलेगा।

इंफोसिस का मुनाफा 21 फीसदी बढ़ा, ग्रोथ अनुमान में नरमी, कमजोर आय अनुमान के चलते एडीआर में गिरावट

मुंबई। देश की प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 8,501 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही से 21 फीसदी अधिक है। कंपनी की आय भी 13.4 फीसदी बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये रही, जो अनुमान से बेहतर है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 27 के लिए आय वृद्धि का कमजोर अनुमान (1.5-3.5 फीसदी) जारी करने के बाद अमेरिका में कंपनी के एडीआर में 5.64 फीसदी की गिरावट देखी गई। लाइफ साइंसेज और कम्युनिकेशंस खंड के बेहतर प्रदर्शन से कंपनी को बढ़त मिली। इस तिमाही में इन्फोसिस की स्थिर मुद्रा आय वृद्धि 4.1 फीसदी रही, जो देश की शीर्ष पांच आईटी सेवा कंपनियों में सबसे बेहतर है। इन्फोसिस के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि आय वृद्धि का यह सतर्क अनुमान कुछ अधिग्रहीत कंपनियों की आय को शामिल नहीं करता है, जिनकी मंजूरी अभी बाकी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 3.2 अरब डालर के बड़े सौदे किए।

एयू बैंक ने जमाकर्ताओं को दी सौगात एफडी और बचत खातों पर बढ़ाया ब्याज

वरिष्ठ नागरिकों को अब मिलेगा 7.75% तक रिटर्न, नई दरें प्रभावी

मुंबई/इंदौर

देश के अग्रणी स्माल फाइनेंस बैंक, एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए निवेश पर मुनाफे का पिटारा खोल दिया है। बैंक ने सेविंग्स अकाउंट (बचत खाता), फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपाजिट (आरडी) की ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। संशोधित दरें गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 से लागू हो गई हैं। बैंक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस निर्णय का सबसे बड़ा लाभ वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा। अब सीनियर सिटिज़न्स को टर्म डिपाजिट पर सालाना अधिकतम 7.75 प्रतिशत तक ब्याज प्राप्त होगा। वहीं, बैंक ने बचत खातों (सेविंग्स अकाउंट) पर भी दरों को बढ़ाकर अधिकतम 6.75 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दिया है। सामान्य ग्राहकों की बात करें तो उन्हें एफडी और आरडी पर अब अधिकतम 7.25 प्रतिशत तक का वार्षिक रिटर्न मिल सकेगा।

मध्यम अवधि के निवेश पर फोकस

यह संशोधन विशेष रूप से 12 से 36 महीनों की मध्यम अवधि की फिक्स्ड डिपाजिट और 36 महीनों तक की रिकरिंग डिपाजिट पर लागू किया गया है। बैंक का मानना है कि यह कदम उन निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद होगा जो सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर लिक्विडिटी (तरलता) और सुनिश्चित रिटर्न की तलाश में हैं।

डिजिटल माध्यमों पर भी सुविधा

ये नई दरें बैंक के देशभर में फैले 2,726 बैंकिंग टचपाइंट्स के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध होंगी। बैंक के नए और मौजूदा ग्राहक एयू 0101 ऐप, व्हाट्सऐप बैंकिंग और वीडियो बैंकिंग के जरिए घर बैठे इन बढ़ी हुई दरों का लाभ उठा सकेंगे। वर्तमान में बैंक का नेटवर्क 21 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में मजबूती से फैला हुआ है।

शिशुओं की सेहत के लिए हिमालया बेबीकेयर ने जारी किया नया डीवीसी

इंदौर। शिशुओं की देखभाल के क्षेत्र में देश के विश्वसनीय ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने अपने मसाज आयल के लिए एक नया डिजिटल वीडियो विज्ञापन (डीवीसी) जारी किया है। यह फिल्म बचपन के शुरुआती दौर को एक ताजे और रोचक नजरिए से पेश करती है। विज्ञापन के माध्यम से माता-पिता को संदेश दिया गया है कि शिशुओं के लिए बड़ा होना, वजन बढ़ाना और नए कौशल सीखना किसी चुनौतीपूर्ण कार्य से कम नहीं है। कहानी हास्यपूर्ण ढंग से उन प्रयासों को उजागर करती है, जो बच्चे अपनी व्यस्त दिनचर्या के दौरान करते हैं। हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक एनवी चक्रवर्ती के अनुसार, शिशु की मालिश समय की कसौटी पर खरी उतरी एक परंपरा है। यह न केवल शारीरिक मजबूती प्रदान करती है, बल्कि माता-पिता और शिशु के बीच भावनात्मक संबंधों को भी गहरा करती है। अश्वगंधा और बला जैसी प्राकृतिक जड़ी-बूटियों के गुणों से समृद्ध यह तेल शिशुओं की ताकत और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। डिजिटल प्लेटफार्म पर लान्च किए गए इस विज्ञापन को हिंदी सहित छह क्षेत्रीय भाषाओं में प्रदर्शित किया गया है, ताकि जड़ी-बूटियों से समृद्ध पोषण का यह संदेश देशभर के अभिभावकों तक पहुँच सके। अपनी सहज प्रस्तुति के माध्यम से कंपनी ने स्वस्थ बचपन की शुरुआत के अपने संकल्प को पुनः दोहराया है।

जल्द ही दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लांच करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली

कार निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने के लिए तैयार है। जल्द ही टाटा मोटर्स बाजार में दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, सिएरा ईवी और सफारी ईवी, लान्च करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, सिएरा ईवी कुछ महीनों में लान्च हो सकती है, जबकि सफारी ईवी इस वित्तीय वर्ष के अंत तक आ सकती है। टाटा सिएरा ईवी मिडसाइज इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा बीई 6, हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक और अन्य प्रतिद्वंद्वियों को टक्कर देगी। कर्व ईवी और हैरियर ईवी के बीच के सेगमेंट में लान्च की जाने वाली यह एसयूवी एक्टि.ईवी माड्यूलर प्लेटफार्म पर आधारित होगी। इसमें 55 केडब्ल्यूएच और 65 केडब्ल्यूएच की दो बैटरी विकल्प आफर किए जा सकते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 450-500 किलोमीटर की रेंज प्रदान कर सकते हैं। यह फ्रंट-व्हील ड्राइव इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, हालांकि, 65 केडब्ल्यूएच बैटरी वाली सिएरा ईवी में ड्यूल-मोटर एडब्ल्यूडी सेटअप मिलेगा, जो हाई ग्राउंड क्लीयरेंस और कई टेरेन मोड्स के साथ हल्की आफ-रोडिंग क्षमताएं भी देगी। टाटा सफारी ईवी: नई थ्री-रो सफारी इलेक्ट्रिक एसयूवी कंपनी का नया फ्लैगशिप माडल होगी।

यह टाटा हैरियर ईवी वाले प्लेटफार्म, बैटरी पैक और इलेक्ट्रानिक आर्किटेक्चर के साथ आएगी, जिसे एक्टि.ईवीप्लस आर्किटेक्चर कहा जाता है। 6 या 7-सीटर कान्फिगरेशन में उपलब्ध होने की उम्मीद है, सफारी ईवी को 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ लान्च किया जा सकता है। कंपनी सफारी ईवी के लिए एक बार चार्ज करने पर 450 किमी से अधिक की वास्तविक दुनिया की रेंज का लक्ष्य लेकर चल रही है। हैरियर ईवी की तरह, टाटा सफारी ईवी 75केडब्ल्यूएच माडल में भी ड्यूल-मोटर एडब्ल्यूडी सेटअप मिलेगा।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सप्लाई में बाधा से मांग होगी प्रभावित : आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी ताजा अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट में पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न होने वाली आपूर्ति बाधाओं से मांग में भारी गिरावट आने की आशंका जताई है। केंद्रीय बैंक ने आगाह किया है कि इस स्थिति का बेहद सावधानी से आकलन करने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे मुद्रास्फीति बढ़ने का भी जोखिम है, जबकि घरेलू अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में सुस्ती के संकेत मिले हैं। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में आगाह किया है कि पश्चिम एशिया मे जारी संघर्ष से उत्पन्न आपूर्ति बाधाएं आगे चलकर मांग में भारी गिरावट का रूप ले सकती हैं, जिसका सावधानीपूर्वक आकलन जरूरी है। इसमें कहा गया है कि आपूर्ति संबंधी झटके और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 2026 में सामान्य से कम मानसूनी बारिश (का अनुमान मुद्रास्फीति के बढ़ने का जोखिम पैदा करते हैं, हालांकि यह अभी भी निर्धारित दायरे में है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी बड़ी गिरावट

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में लगातार पांचवें दिन कमजोरी नजर आ रही है। सोने की तरह ही चांदी ने भी गोता लगाया है। सोना 1,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 0.49 प्रतिशत गिर कर 4,675.50 डालर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी 76.37 डालर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट की वजह से भारत में भी हाजिर सोने और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है।

इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में आई गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,53,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,53,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,53,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,40,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार गिरावट का रुख बना रहा। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ जाने की आशंका के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में घबराहट का माहौल बना रहा। इस घबराहट की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.41 प्रतिशत फिसल कर 7,108.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 219.06 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूट कर 24,438.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 139.03 अंक यानी 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 49,171.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,457.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,155.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.86 प्रतिशत उछल कर 8,227.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 904.45 अंक यानी 2.40 प्रतिशत उछल कर 38,618.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 312.77 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 59,453 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 122.50 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,035 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.68 प्रतिशत लुढ़क कर 4,910.64 अंक के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जबरदस्त कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 182.96 अंक यानी 2.48 प्रतिशत टूट कर 7,195.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.38 प्रतिशत फिसल कर 1,441.12 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.93 प्रतिशत लुढ़क कर 6,415.51 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,069.37 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,902 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग का लक्ष्य खिलाड़ियों को आर्थिक स्थिरता व पहचान दिलाना :जसोदा गुलिया

नई दिल्ली

खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर तैयार की गई दिल्ली प्रो वालीबाल लीग (डीवीपीएल) का उद्देश्य वालीबाल खिलाड़ियों को सिर्फ जुनून के लिए खेलने तक सीमित न रखते हुए उन्हें पेशेवर विकास, आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक पहचान दिलाना है।

इस साल जनवरी में घोषित की गई दिल्ली प्रो वालीबाल लीग को दिल्ली वालीबाल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है। यह लीग एक संरचित, पेशेवर और स्थायी प्लेटफार्म के रूप में तैयार की जा रही है, जो राजधानी में वालीबाल प्रतिभाओं को नया अवसर देगी।

पूर्व वालीबाल खिलाड़ी नीति रावत और जसोदा गुलिया इस लीग की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली प्रोफेशनल वालीबाल लीग होगी, जिसे खिलाड़ियों द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाया जा रहा है।

नीति रावत, जिन्हें खेल प्रसारण और मीडिया में व्यापक अनुभव है, लीग की पहुंच बढ़ाने और दर्शकों से जुड़ाव मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। वहीं, जसोदा गुलिया का वित्त और रणनीतिक योजना में अनुभव इस लीग को एक मजबूत और टिकाऊ खेल व्यवसाय के रूप में विकसित करने में मदद करेगा, जिससे निवेश, प्रायोजन और फ्रेंचाइज़ी भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

नीति रावत ने कहा, डीवीपीएल भारत में वालीबाल को देखने और अनुभव करने के तरीके को बदलने का एक आंदोलन है। एक खिलाड़ी के रूप में हमने इस खेल की यात्रा को करीब से जिया है और इसकी अपार संभावनाओं को समझते हैं। हम जानते हैं कि यह आज कहां खड़ा है और इसे कहां होना चाहिए, और हम इस अंतर को भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जसोदा गुलिया ने कहा, यह लीग ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए है, जहां खिलाड़ी सिर्फ जुनून के लिए नहीं, बल्कि पेशेवर विकास, आर्थिक स्थिरता और पहचान के साथ खेल सकें। हमारे लिए यह केवल खेल नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा रहा है, इसलिए हम खिलाड़ियों की हर जरूरत और चुनौती को भली-भांति समझते हैं। डीवीपीएल का लक्ष्य एक व्यापक खेल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जिसमें खिलाड़ी विकास, पेशेवर प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव और मीडिया व प्रसारण के जरिए बेहतर पहचान शामिल हो। साथ ही, यह लीग खेल प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर एक समावेशी माडल स्थापित करना चाहती है।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल 2026: आरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे संजू सैमसन, पर्पल कैप फिर अंशुल कंबोज के पास

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 103 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की, जिसके बाद आरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में भी अहम बदलाव देखने को मिले। आरेंज कैप की रेस में संजू सैमसन तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सैमसन ने अब तक टूर्नामेंट में दो शतक लगाए हैं और उनके कुल रन 293 हो गए है। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के अभिषेक शर्मा (323 रन) और हेनरिक क्लासेन (320 रन) अभी भी पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए है। आरेंज कैप की सूची में शुभमन गिल 265 रन के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि विराट कोहली 247 रन के साथ छठे और रजत पाटीदार 230 रन के साथ नौवें स्थान पर मौजूद है। आगामी मुकाबलों में इन खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव संभव है। वहीं, पर्पल कैप की रेस में चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज ने फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने मुंबई के खिलाफ मैच में 3 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिया और कुल 14 विकेट के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि एसआरएच के ईशान मलिंगा और गुजरात टाइटंस (जीटी) के प्रसिद्ध कृष्णा 12-12 विकेट के साथ क्रमश: तीसरे और चौथे स्थान पर बने हुए है।

मैड्रिड ओपन में राफेल नडाल की खास वापसी, बर्नाबेउ स्टेडियम में खेला फ्रेंडली मुकाबला

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर नजर आए, जब उन्होंने मैड्रिड ओपन के दौरान सैंटियागो बर्नबिउ स्टेडियम में बने अस्थायी कोर्ट पर हिस्सा लिया। मैड्रिड ओपन के आयोजकों ने बर्नबिउ स्टेडियम के मैदान पर अस्थायी टेनिस कोर्ट तैयार किया है, जहां खिलाड़ी 30 अप्रैल तक अभ्यास कर सकेंगे। हाल ही में संन्यास ले चुके नडाल, जो रियल मैड्रिड के बड़े प्रशंसक हैं, इस टूर्नामेंट के सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने इसे पांच बार जीता है। इस खास मौके पर नडाल ने रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूर्तुआ के साथ मिलकर एक फ्रेंडली सत्र मे हिस्सा लिया, जिसमें उनके सामने विश्व नंबर एक यानिक सिनर और रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंघम की जोड़ी थी। बेलिंघम इससे पहले बुधवार को मैड्रिड ओपन में मौजूद थे, जहां उन्होंने युवा स्पेनिश खिलाड़ी राफेल जोदार का मुकाबला देखा, जिन्होंने टूर्नामेंट में अपना डेब्यू किया। हालांकि मुख्य मुकाबले स्पेन की राजधानी स्थित काजा मागिका में खेले जा रहे हैं।

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है। इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जतायी है। उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है। सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है। पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा।

एमपीसीए अंडर-22 क्रिकेट : शहडोल बना चैंपियन, फाइनल में रीवा को दी करारी मात

ग्वालियर/इंदौर

सत्यार्थ कबीर शुक्ला (136) और कार्तिक परिहार (117) के बल्लों से निकले रनों के सैलाब ने शहडोल को एमपीसीए अंडर-22 क्रिकेट का नया सुल्तान बना दिया है। खिताबी मुकाबले में शहडोल के 330 रनों के विशाल लक्ष्य के सामने रीवा की टीम दबाव में ऐसी बिखरी कि पूरी पारी महज 195 रनों पर सिमट गई। 135 रनों की इस प्रचंड जीत के साथ ही शहडोल ने ग्वालियर की धरती पर ऐतिहासिक विजय गाथा लिख दी।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस निर्णायक मुकाबले में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी शहडोल की शुरुआत आक्रामक रही। सत्यार्थ कबीर शुक्ला ने कप्तानी धैर्य का परिचय देते हुए 147 गेंदों पर 136 रनों की दर्शनीय पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनका बखूबी साथ कार्तिक परिहार ने निभाया, जिन्होंने मात्र 103 गेंदों पर 117 रन ठोककर मैदान के चारों ओर रनों की वर्षा की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 210 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पूरी तरह शहडोल की ओर मोड़ दिया। शहडोल ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 330 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। रीवा की ओर से रवि तिवारी ने 3 और आयुष शुक्ला ने 2 विकेट लिए, लेकिन वे रनों की गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे।

331 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज अनंत वर्मा के 51 रनों के अर्धशतक और हर्षित दुबे के 38 रनों के संघर्ष के बावजूद टीम का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। पूरी टीम 35.3 ओवरों में मात्र 195 रनों पर सिमट गई। शहडोल की ओर से गेंदबाजी में अक्षत द्विवेदी और कबीर कृष्णा ने दो-दो विकेट लेकर रीवा की जीत की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। मैच के समापन पर आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि और एमपीसीए के आजीवन सदस्य बी.के. शर्मा ने विजेता शहडोल टीम को चमचमाती ट्राफी प्रदान की। शानदार शतकीय पारी खेलने वाले सत्यार्थ कबीर शुक्ला को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। वहीं मैदानी मुस्तैदी के लिए रीवा के अंशुमान द्विवेदी और शहडोल के अभिनव सिंह को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार मिला। एमपीसीए ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए सभी प्रतिभागी टीमों को बधाई दी है।

जूनियर टेनिस : ओजस, अद्वीथ, लावण्या और आरना फाइनल में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित क्वींस कालेज आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में मेजबान मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने कोर्ट पर अपना वर्चस्व स्थापित करते हुए फाइनल में जगह पक्की की। बालक वर्ग के 12 वर्ष आयु समूह के खिताबी मुकाबले में ओजस मिश्रा और अद्वीथ भार्गव के बीच भिड़ंत तय हुई है, जबकि बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की लावण्या शर्मा का सामना गुजरात की आरना खत्री से होगा। अंडर-12 बालक एकल के पहले सेमीफाइनल में ओजस मिश्रा ने अपनी शानदार लय को बरकरार रखते हुए रेयांश पटेल को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से पराजित किया। इसी वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में अद्वीथ भार्गव ने भी दमदार खेल का प्रदर्शन किया और महाराष्ट्र के विहान देवधर की चुनौती को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से ध्वस्त कर फाइनल का टिकट कटाया। वहीं, बालिका एकल सेमीफाइनल में लावण्या शर्मा ने दीविना धूपर को कड़े संघर्ष के बाद 6-4, 6-2 से मात दी। दूसरे सेमीफाइनल में गुजरात की आरना खत्री ने प्रिशा शर्मा के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाते हुए 6-2, 6-0 से आसान जीत दर्ज कर खिताबी दौड़ में प्रवेश किया। युगल वर्ग के मुकाबलों में भी रोमांच अपने चरम पर रहा। बालक युगल सेमीफाइनल में ओजस मिश्रा और अद्वीथ भार्गव की जोड़ी ने विहान देवधर व कियान बंसल को 7-5, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। एक अन्य संघर्षपूर्ण मैच में रेयांश पटेल और अयांश संवत्सर ने अयांश सोनी व अर्जुन बिंद्रा को कड़े मुकाबले में 7-6(5), 6-4 से शिकस्त दी। बालिका युगल में दीविना धूपर व साम्भवी सिंह की जोड़ी ने वीरा सेठी व सायेशा दशोरा को 6-2, 6-0 से हराया, जबकि आरना खत्री और प्रिशा शर्मा की जोड़ी ने इदिवा धाकड़ व रीत सोनी को 6-3, 6-4 से पराजित कर फाइनल का रास्ता साफ किया। स्पर्धा के सभी निर्णायक मुकाबले गुरुवार शाम 4:00 बजे से आयोजित किए जाएंगे।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

सिडनी

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रायल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी। वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीज़न में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीज़न में उनका इकानमी रेट 10 से ज़्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीज़न दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है।

कंबोज, प्रिंस तैसे गेंदबाज राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर बना रहे दबाव

मुम्बई। इंडियपन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में युवा क्रिकेटरों ने कई प्रचलित धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। अंशुल कंबोज, प्रिंस यादव और विजयकुमार युवा गेंदबाजों ने दिखाया है कि कैसे राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर कैसे दवाब बनाया जा सकता है। वहीं आम तौर पर माना जाता है कि दायें हाथ के बल्लेबाज को ओवर द विकेट गेंदबाजी की जाती है। इस सत्र में डेथ ओवर्स के दौरान राउंड द विकेट आना एक बड़ी रणनीति बनकर उभरा है। राउंड द विकेट के दौरान गेंदबाज एक ऐसा कोण बनता है जिससे कि बल्लेबाज के पास शाट खेलने के लिए पूरी जगह नहीं बचती है। अगर बल्लेबाज आफ-स्टंप की तरफ बढ़ता भी है, तो भी गेंदबाज के पास गेंद को और बाहर की तरफ स्विंग कराने या कटर कराकर उसे आउट करने का अवसर रहता है। इसी कौशल का कंबोज, प्रिंस और विजयकुमार ने काफी अच्छा इस्तेमाल किया है। इन गेंदबाजों ने राउंड द विकेट से फेंकी गई सटीक यार्कर से बल्लेबाज को खेलने का कोई अवसर नही दिया है।

आस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कानोली

चंडीगढ़

आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज आस्ट्रेलिया के कूपर कानोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कानोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कानोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह आस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कानोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी।

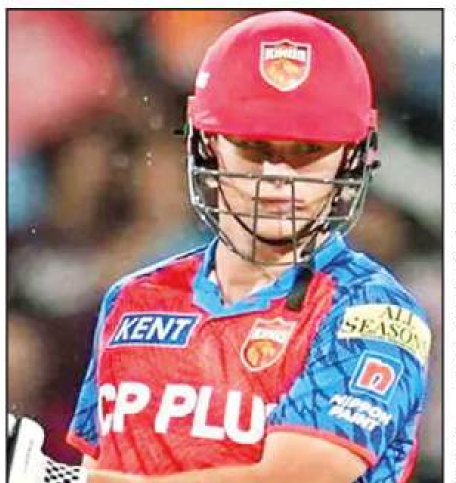

कानोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कानोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं।

कानोली जैसे प्रभावशाली आलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

स्पोर्टस सिटी धर्मशाला में 27 अप्रैल से होगा फुटबाल टूर्नामेंट का आगाज़

धर्मशाला

स्पोर्टस सिटी धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में 27 अप्रैल से देश भर के फुटबाल खिलाड़ी जुटेंगे। वीर शहीदों की स्मृति और खेल भावना को समर्पित अखिल भारतीय शहीद मेजर दुर्गा मल्ल एवं कैप्टन दल बहादुर थापा मेमोरियल गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट का 38वां संस्करण 27 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 1989 से निरंतर आयोजित होने वाला यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट न केवल देश भर की श्रेष्ठ टीमों को एक मंच प्रदान करता है, बल्कि यह आयोजन हमारी आजादी के वीर नायकों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है। प्रतियोगिता का शुभारंभ धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मेयर देवेंद्र जग्गी करेंगे। वहीं, 3 मई को समापन समारोह के दौरान सांसद डा. राजीव भारद्वाज और स्थानीय विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

सांस्कृतिक धरोहर और शहादत का संगम – एसोसिएशन के अध्यक्ष पालम जंग प्रधान ने बताया कि आजादी के अमृत काल में इस आयोजन का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट युवाओं को देशभक्ति और अनुशासन से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इस कड़ी में एक मई को धर्मशाला महाविद्यालय के सभागार में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय कला को बढ़ावा देते हुए नेपाली-गोरखाली नृत्य और कांगड़ा का प्रसिद्ध झमाकड़ा प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, वीर शहीदों के जीवन और बलिदान पर आधारित एक प्रेरणादायक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई जाएगी।

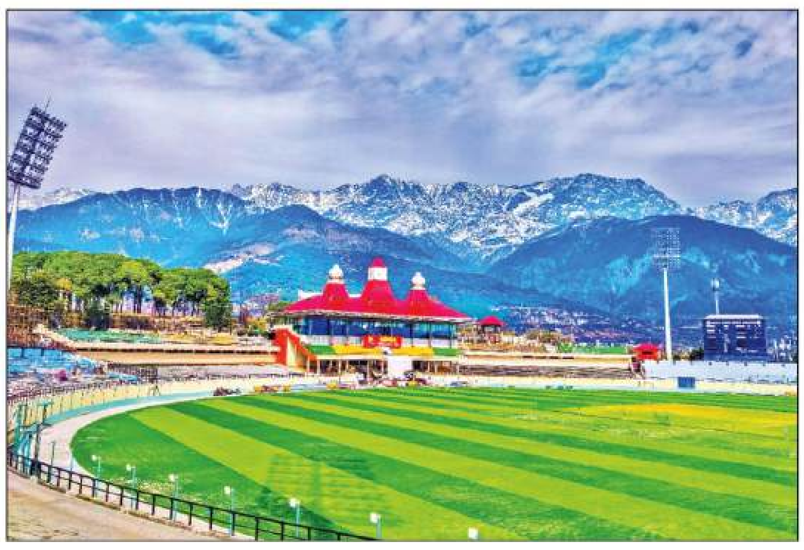

देश की 14 बेहतरीन टीमें होंगी शुमार – टूर्नामेंट में इस बार देश की 14 प्रमुख टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें आरबीआई मुंबई, कस्टम दिल्ली, सीआईएसएफ, राजस्थान पुलिस, 16 गढ़वाल राइफल्स, 2 गढ़वाल राइफल्स, 3/5 गोरखा राइफल्स, 5/5 गोरखा राइफल्स, खालसा क्लब अमृतसर, डू-लाइक स्पोर्टस क्लब जालंधर, जेसीटी फगवाड़ा, आरसीएफ कपूरथला और एचपीएफए शामिल हैं। मेजबान टीम के रूप में धर्मशाला की स्थानीय टीम भागसू इलेवन भी मैदान में उतरेगी।

अंडर-19 इंटर स्कूल मुकाबले भी होंगे टूर्नामेंट का हिस्सा – एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट के साथ इस वर्ष धर्मशाला व आसपास के क्षेत्रों में स्थित 11 स्कूलों के बीच अंडर-19 प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें इंटरनेशनल सहज पब्लिक स्कूल (टालनू), सेक्रेड हार्ट स्कूल (सिद्धपुर), अचीवर्स हब (दाड़ी), आधुनिक पब्लिक स्कूल, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, टीसीवी स्कूल, दयानंद पब्लिक स्कूल, हाइलैंड पब्लिक स्कूल, डीपीएस कांगड़ा और जीएसएसएस खनियारा खास व शाहपुर के युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे।

देखने में छोटी, पर काम इसके बड़े-बड़े!

अकसर आपने छोटे-छोटे बहुत से बच्चों को शरारत करते हुए देखा होंगा, पर आज हम आपको एक ऐसी बच्ची के बारे में बता रहे हैं जिसके काम को देख कर आप हैरान ही रह जाएगे। 7 साल की यह लड़की ऑड्रे सेलेना गोम्ज और टेलर स्विफ्ट जैसी हस्तियों के साथ काम करती है और गाने भी गाती है। 7 साल की इस बच्ची का नाम ऑड्रे है पर यह लड़की ब्लैकफैन एनीमिया की बीमारी की शिकार है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें रेड ब्लड सेल्स कम हो जाने से बहुत सी खतरनाक बीमारीयां हो जाती है। ऑड्रे को देख कर यह नहीं लगता कि वह बीमार या दुखी हैं। बल्कि वह अपनी लाइफ से खुश हैं। ऑड्रे की इस बीमारी का इलाज चल रहा हैं। ऑड्रे का फेसबुक पर डीबीए फोटो बूथ के नाम से कम्युनिटी पेज भी बना हुआ है जिसमें आप उसकी बहुत सी वीडियोज भी देख सकते है। ऑड्रे जुम्बा डांस के साथ एंकरिंग से लेकर गाने तक का शौक भी रखती है। इसीलिए उसने जुम्बा क्लब भी ज्वॉइन किया है।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते है। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिए निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

बच्चे को मोटा बना सकती हैं ये आदतें

बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ रही है। पहले भले ही ऐसे बच्चों को गोलू-मोलू कहकर पसंद किया जाता हो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बच्चों में मोटापे की समस्या और उससे सेहत को होने वाले नुकसानों के बारे में व्यापक चर्चा की जाती है। बच्चों में मोटापा कई कारणों से हो सकता है। इनमें अनुवांशिक कारणों को तो हम नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ कारण ऐसे हैं, जिन पर यदि नजर रखी जाए, तो हम समय रहते बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं।

शारीरिक गतिविधियों का अभाव

उछलकूद करना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। इससे न केवल उनका मानसिक विकास होता है, बल्कि इससे उनका शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसके साथ ही बच्चों को छोटी-मोटी शारीरिक गतिविधियों में शामिल करें। रसोई तक अपने बर्तन खुद रख कर आना। लाइट का स्विच ऑफ करने उठना। पानी पीने जाना, घर की सीढ़ियां चढ़ना, जैसे काम भी आजकल बच्चे नहीं करते। इससे उनमें आलस्य आ जाता है और शरीर पर बेकार की चर्बी जमा होने लगती है। इसके साथ ही आपको चाहिए कि आप अपने बच्चे के साथ घूमने जाएं, उन्हें आउटडोर गेम्स में शामिल करें। वरना आजकल के बच्चों के लिए गेम्स का अर्थ कंप्यूटर अथवा ऑनलाइन गेम्स हो गया है।

लिक्विड कैलोरी का अधिक सेवन

शुगर ड्रिंक और फ्रुट ड्रिंक बच्चों के पसंदीदा पेय पदार्थ हैं, लेकिन इससे बच्चों को और कुछ नहीं बस चीनी और कैलोरी ही मिलती है। आपको चाहिए कि बच्चों को ऐसे पेय पदार्थों के सेवन से रोकें क्योंकि इनसे उन्हें पोषण नहीं मिलता, बल्कि उनकी सेहत को नुकसान ही पहुंचता है।

पर्याप्त नींद न लेना

देर रात तक जागते रहना आजकल की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। लेकिन, आपके बच्चों के लिए यह बिल्कुल ही फायदेमंद नहीं है। मोटापे और नींद के बीच गहरा संबंध है। शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि जो बच्चे पूरी नींद नहीं लेते, उनके मोटापे से ग्रस्त होने की आशंका बहुत अधिक होती है। इसके साथ ही ज्यादा नींद भी आपके बच्चों के लिए अच्छी नहीं। इससे आपका बच्चा आलसी हो सकता है। ध्यान रहे आपके बच्चे के लिए नौ से दस घंटे की नींद काफी है।

जंक फूड का सेवन

बच्चों में मोटापे का अहम कारण जंक फूड का सेवन है। जरा सी भूख लगने पर ही बच्चे बर्गर, पिज्जा या कोई अन्य जंक फूड खा लेते हैं। ये हाई कैलारी खाद्य पदार्थ बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में अभिभावकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों के खानपान का ध्यान रखें। बच्चों की जिद के चक्कर में आप उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ न करें। कभी-कभार इस प्रकार का भोजन ठीक है, लेकिन इसका नियमित सेवन सेहत के नुकसानदेह है।

टीवी है बीमारी

एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई थी कि जो बच्चे टीवी के सामने अधिक समय बिताते हैं, वे सामान्य बच्चों से अधिक मोटे होते हैं। टीवी मनोरंजन तक तो ठीक है, लेकिन इसके सामने अधिक समय तक बैठे रहना बच्चों को मोटा और थुलथुला बना सकता है। लास एंजेलिस स्थित पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने शयनकक्ष में टीवी देखने एवं बचपन में मोटापे के बीच सम्बधों को सामने रखा।

भोजन अगर न हो सही

बच्चे के आहार में फाइबर युक्त पदार्थों को शामिल करें। इससे उन्हें ऊर्जा भी मिलेगी और साथ ही उनका पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। राजमा, ब्रोकली, मटर, नाशपति, साबुत अनाज का पास्ता, ओटमील आदि फाइबर के उच्च स्रोत हैं। इसके साथ ही आप उन्हें फल और सब्जियों का सेवन भी करवाएं। इनके अभाव से भी बच्चे में मोटापा बढ़ सकता है।

क्या है हॉट योगा और इसे क्यों करें

योग के अदभुद लाभों के चलते न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में योग की ख्याति है। योगासनों के कई अलग अलग प्रकार और तकनीक हैं, और इनमें से एक है हॉट योगा। हॉट योगा प्राचीन योग का ही एक एक्स्ट्रीम फॉर्म है। इसे यदि साधारण योगा का मॉडर्न रूप कहा जाए तो गलत न होगा।

इसे कैसे किया जाता है

हॉट योगा एक ग्लैमरस, लेकिन मुश्किल योग है। 90 मिनट के इसके एक सत्र में 26 जटिल आसन और दो प्राणायाम शामिल होते हैं। और इसकी खास बात है कि यह एक ऐसे कमरे में होता है, जहां का तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे ऊपर रखा जाता है और वहां की आर्द्रता 50 प्रतिशत के आसपास होती है। शायद इस आसनों को करते समय या इन्हें करने के पश्चात इस होने वाले गर्म तापमान के कारण ही इसे हॉट योगा कहा जाने लगा होगा। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जब तक पसीना बाहर न आए, एक्सरसाइझ का फायदा नहीं होता है। हालांकि इस बात के पीछे का तथ्य यह है कि पसीना इस बात का संकेत होता है कि आपने जरूर के हिसाब से शारिरिक गतिविधी की है और कैलोरी बर्न की हैं। शायद यही सब सोचते हुए कुछ योग एक्सपर्ट ने इस पसीना बहाऊ योग का आविष्कार कर लिया वरना तो योग करने से पसीना कम ही छूटता है। ऐसा माना जाता है कि हॉट योगा दांपत्य जीवन के साथ-साथ, मस्तिष्क व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभदायक होता है, और इससे व्यक्ति तनाव मुक्त रहकर आत्मविश्वास से भरा रहता है। वैसे तो हॉट योगा के बहुत फायदे हैं लेकिन इसे करने से पहले इसके लिए ठीक ट्रेनिंग लेना बेहद जरूरी होता है।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

रेसिपी

हरियाली मटकी खिचड़ी

सामग्री

1/2 कप मटकी, रातभर भिगोकर छानी हुई, 1/2 कप चावल, धोकर छाने हुए, 1 टेबल-स्पून घी, 2 इलायची, 4 से 5 काली मिर्च, 2 लौंग, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, 2 तेजपत्ता, पीसकर मुलायम ग्रीन पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी के साथ), 1 1/2 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप कसा हुआ नारियल, 2 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए, ताजा दही

विधि

एक प्रैशर कुकर में घी गरम करें, इलायची, काली मिर्च, लौंग, दालचीनी और तेजपत्ता डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन ले। तैयार ग्रीन पेस्ट डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। चावल, मटकी और 3 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। ताजे दही के साथ तुरंत परोसें।

हरा भरा खूंभ

सामग्री

पालक प्युरी के लिए, 4 कप बारीक लंबी कटी पालक, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 4 लहसुन की कलियां, अन्य सामग्री, 3 कप खूंभ के टुकड़े, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून शक्कर।

विधि

सभी सामग्री को 1 कप पानी के साथ एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मिलाकर, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। पुरी तरह से ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें। मिक्सर में पीसकर मुलायम प्युरी बना लें और एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में 1/2 टी-स्पून तेल गरम करें, खूंभ और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट या सारा पानी सूख जाने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में बचे हुए 1/2 टी-स्पून तेल को गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भुन लें। तैयार पालक की प्युरी और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला ले और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। खूंभ और शक्कर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच और 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**